● वर्ष-3
● अंक-136
रायपुर, सोवार 15 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सृजनशील लोगों के लिए ...

मकर संक्रांति पर मोदी ने गायों को चारा खिलाया

नई दिल्ली, (ए)। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। जिसको लेकर सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रिया सामने आई हैं। गायों के बीच घास खिलाते हुए पीएम मोदी की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। यह पहला मौका नहीं कि जब पीएम मोदी का गौ प्रेम सबके सामने आया हो। इससे पहले पिछले साल वारंगल शहर में भद्रकाली मंदिर में गौ सेवा करते हुए पीएम मोदी को देखा गया था।

पौष मास में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन शनि देव से मिलने उनके पिता सूर्य देव मिलने आते हैं।

तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि पीएम मोदी गुड और घास को बड़े प्रेम से गाय को खिला रहे हैं। इस दौरान गायों का झुंड पीएम मोदी के आस-पास दिखाई दे रहा हैं। कभी साथ बैठक तो कभी घास में घास लेकर पीएम मोदी गायों को चारा दे रहे हैं।

पोंगल समारोह में पीएम मोदी ने उपहार में दिया शॉल

केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल उत्सव में पीएम मोदी ने शिरकत की। इस दौरान कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली एक बच्ची को पीएम मोदी ने अपना ही शॉल उपहार में दे दिया। कार्यक्रम में एक युवा गायक ने प्रस्तुति दी। जिसके बाद गायिका ने पीएम मोदी के पैर छुए, जिसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें अपना शॉल ही इनाम के तौर पर दे दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कि देश में कल लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। कुछ लोग आज मकर संक्रांति मान रहे हैं और कई लोग कल मनाएंगे। मैं देशवासियों को इन त्योहारों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें अपने परिजनों के साथ पोंगल मनाने का मन कर रहा है। उन्होंने कहा, आप सभी को पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएं! इस पवित्र अवसर पर मैं कामना करता हूं कि आपके जीवन में सुख, समृद्धि और संतुष्टि आए। आज, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं अपने परिजनों के साथ पोंगल मना रहा हूं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आगाज

मणिपुर में गरजे राहुल, कहा- प्रधानमंत्री आपके आंसू पोंछने, आपसे गले लगने नहीं आए

थौबल। मणिपुर के थौबल से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू हुई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यात्रा 67 दिनों में 110 जिलों से होकर 6,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि 2004 से मैं राजनीति में हूं, पहली बार मैं हिंदुस्तान के एक ऐसे प्रदेश में गया, जहां शासन व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, जिसे हम मणिपुर कहते थे वह मणिपुर रहा ही नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री आपके आंसू पोंछने, आपसे गले लगने नहीं आए। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा हम सुबह 6 बजे शुरू करते थे और शाम 7 बजे तक चलते थे। अंत में हमारा शाम को 20-25 मिनट का एक भाषण होता था, लेकिन 7-8 घंटे हम आपकी बात सुनते थे। यही इस यात्रा का लक्ष्य है, हम आपको अपने मन की बात नहीं बताना चाहते, हम आपकी बात सुनना चाहते हैं, आपके दर्द को समझना चाहते हैं। राहुल ने कहा कि आपने वह खो दिया है, जिसे आपने महत्व दिया है, लेकिन हम जिसे आपने महत्व दिया है, उसे एक बार फिर से ढूंढेंगे और इसे आपके पास वापस लाएंगे। हम मणिपुर के लोगों के दर्द को समझते हैं। हम आपके नुकसान और भाव को समझते हैं। हम आपसे वादा करते हैं कि हम वह सब वापस लाएंगे, जिसे आपने महत्व दिया है, हम वह सद्भाव, शांति, स्नेह वापस लाएंगे, जिसके लिए यह राज्य हमेशा से जाना जाता है।

खरगे ने नेहरू का जिक्र किया

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब पंडित नेहरू पहली बार मणिपुर आए थे, तब उन्होंने इसे भारत का गहना बताया था। यही बात इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी कही थी। यह मणिपुर की वह भूमि है जो आजादी के लिए लड़ी।

पीएम मोदी पर साधा निशाना

खरगे ने कहा कि मोदी मणिपुर वोट के लिए आते हैं, लेकिन जब मणिपुर के लोग मुसीबत में है तब वे नहीं आते। वे राम-राम करते हैं। मुंह में राम और बगल में छुरी, यह वे जनता के साथ न करें। वोट के लिए ये सब ढोंगबाजी नहीं करनी चाहिए।

मिलिंद ने कांग्रेस छोड़ी, एकनाथ का थामा हाथ

मुंबई। वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के थोड़ी देर बाद ही वे शिवसेना में शामिल हो गए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। आगामी लोकसभा चुनाव में देवड़ा के शिवसेना के टिकट पर दक्षिण मुंबई सीट से चुनाव लड़ने की भी चर्चाएं हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर मिलिंद देवड़ा ने लिखा कि आज वह अपनी राजनीतिक यात्रा के अहम अध्याय का अंत कर रहे हैं। मैंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है, साथ ही कांग्रेस पार्टी से अपने परिवार के 55 साल पुराने रिश्ते का भी अंत कर रहा हूं। मैं सभी नेताओं, सहयोगियों और पार्टी कार्यकर्ताओं का उनके इतने सालों के समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं। दक्षिण मुंबई सीट पर देवड़ा परिवार का दबदबा रहा है। हालांकि पिछले दो आम चुनाव में शिवसेना के अरविंद सावंत इस सीट से जीत दर्ज कर रहे हैं। यही वजह है कि इस बार भी शिवसेना इस सीट पर अपना दावा जता सकती है और गठबंधन के चलते हो सकता है.

दक्षिण मुंबई सीट पर दावेदारी को लेकर खींचतान

गौरतलब है कि मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने की अटकलें बीते कई दिनों से चल रहीं थी। हालांकि उन्होंने इसे अफवाह बताकर कांग्रेस छोड़ने की बात से इनकार किया था। मिलिंद देवड़ा ने ये बात स्वीकार की थी कि वह अपने समर्थकों से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

प्रमुख समाचार

हिट एंड रन पीड़ितों का बढ़ाया जा सकता है मुआवजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह हिट एंड रन मामलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को और गंभीर रूप से घायलों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि को बढ़ाने पर विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस फैसले पर विचार के लिए आठ हफ्तों का समय दिया है और 22 अप्रैल को अगली सुनवाई पर जानकारी देने का निर्देश दिया है। मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति को कोई वाहन टक्कर मारकर फरार हो जाता है और इस हादसे में पीडति की मौत हो जाती है तो उसे अधिकतम दो लाख रुपये का मुआवजा मिलता है। वहीं गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को भी हिट एंड रन के पीड़ितों के परिजनों को कानून के तहत मुआवजा योजना की जानकारी देने को भी कहा है। जस्टिए एएस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा हर साल हिट एंड रन के मामलों के आंकड़ों की जानकारी दी जाती है। इनसे पता चलता है कि साल दर साल हिट एंड रन के मामलों में तेजी आ रही है। बीते साल सड़क परिवहन मंत्री ने लोकसभा में भी इसकी जानकारी दी थी। आंकड़ों के अनुसार, साल 2016 में हिट एंड रन के मामले 55,942 थे। 2017 में 65,186 और 2018 में 69,621 हो गए।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 55 देशों को न्योता

अयोध्या। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इस समारोह को राष्ट्रीय पर्व के तौर पर सेलिब्रेट करने की तैयारी है। इसे लेकर देश-विदेश की कई जानी-मानी हस्तियों को निमंत्रण भेजा जा रहा है।

जी हां, भारत ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग प्राण प्रतिष्णा समारोह में शामिल होंगे। विश्व हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद ने इस बारे में और अधिक जानकारी दी। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए दूसरे देशों में भी निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजदूतों और सांसदों सहित 55 देशों के करीब 100 प्रमुखों को आमंत्रित किया जा चुका है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर नेपाल में भी काफी उत्साह है। यहां के जनकपुर में कई सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव मनाया जाएगा।

तुम आजाद हो, जब तक मैं हिरासत में हूं: सूचना सेठ

नई दिल्ली। गोवा में महिला सीईओ सूचना सेठ ने अपने ही चार साल के बच्चे को मौत के घाट उतार दिया था। जिसके बाद पुलिस ने सूचना सेठ को गिरफ्तार कर लिया था। गोवा के कैलंगुट पुलिस स्टेशन में शनिवार को आरोपी महिला सूचना सेठ और पति वेंकट रमन की 15 मिनट की मुलाकात हुई। इस दौरान आरोपी महिला ने अपने पति से कहा कि मैं जब तक पुलिस हिरासत में हूं, तुम आजाद हो। तुम्हारी वजह से ही मेरी यह दुर्दशा हुई है। बातचीत में सूचना सेठ ने चार साल के अपने बच्चे की हत्या के आरोपों से इनकार किया। उस दौरान उसके पति वेंकट रमन ने कहा कि अगर बच्चे की हत्या तुमने नहीं कि तो आखिर उसे किसने मारा। गौरतलब है कि शनिवार को बयान दर्ज कराने के लिए सूचना सेठ के पति वेंकट अपने पति के साथ गोवा के कैंलगुट पुलिस स्टेशन पुहंचे थे। अपने बच्चे की हत्या के दौरान वह इंडोनेशिया में थे। बच्चे की मौत की खबर मिलने के बाद नौ जनवरी को वेंकट भारत आए। पति के वकील अजहर मीर ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले एक साल से बंगलूरू के एक फैमिली कोर्ट में बच्चे की कस्टडी की लड़ाई चल रही थी। कोर्ट ने पिता वेंकट को बच्चे से फोन या वीडियो कॉल के जरिए बात करने की इजाजत दी थी।

भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है: थरूर

तिरुवनंतपुरम (केरल)। आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ सकती है। लेकिन, सरकार बनाने के लिए उसकी सीटों की संख्या इतनी कम हो सकती हैं कि उसके सहयोगी उसका समर्थन करने को तैयार न हों। इसके बजाय, विपक्षी गठबंधन का समर्थन करने को तैयार हों। यह बात कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को केरल साहित्य समारोह (केएलएफ) में कही। थरूर ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, भारत विविधताओं भरा देश है और वह उस स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जहां सौ फीसदी राज्यों में सौ फीसदी सहमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे अब भी लगता है कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। लेकिन, उनकी संख्या को उस स्तर तक कम किया जा सकता है, जहां सरकार बनाने के लिए उसके सहयोगी उनके साथ सहयोग करने के इच्छुक नहीं होंगे। पूर्व मंत्री ने कहा, हो सकता है कि वह हमारा सहयोग करने को तैयार हों। इसलिए, हमें इसे आजमाना होगा। इंडिया- द फ्यूचर संत्र के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया के दलों के बीच सीट बंटवारे की चुनौती के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जितने संभव हो उतने राज्यों में पर्याप्त सहमति होगी।

भारत 15 मार्च तक अपने सैनिकों को हटाए: मालदीव

माले। चीन से लौटने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सख्त तेवर दिखा रहे हैं। एक दिन पहले बिना नाम लिए टिप्पणी करने वाले मुइज्जू ने भारत से कहा है कि वह 15 मार्च तक मालदीव में तैनात अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाए। लगभग दो महीने पहले राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू ने मालदीव में तैनात दूसरे देश के सैनिकों को हटाने का ऐलान किया था। उन्होंने अपने चुनावी अभियान में इंडिया आउट जैसा नारा भी दिया। एक दिन पहले उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा था कि किसी देश के पास मालदीव को धमकाने का अधिकार नहीं है। मालदीव की सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा, राष्ट्रपति मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से 15 मार्च तक अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के लिए कहा है। सनऑनलाइन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार मुइज्जू के कार्यालय में सचिव अब्दुल्ला नाजिम इब्राहिम ने कहा, भारतीय सैन्यकर्मी मालदीव में नहीं रह सकते। यही राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और इस सरकार / प्रशासन की नीति है। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मालदीव में 88 भारतीय सैन्यकर्मी हैं। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का अनुरोध पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति का पद संभालने के तुरंत बाद किया था।

तातापानी पर्यटन स्थल घोषित मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा

बलरामपुर। तातापानी की धरती बहुत पवित्र धरती है। यह धरती रामकथा से जुड़ी है। तातापानी महोत्सव का आरंभ हमारी सरकार ने ही किया था। इसके बाद हर साल यह महोत्सव भव्य रूप लेता जा रहा है। तातापानी को पर्यटन स्थल के रूप में मैं घोषित करता हूँ। यहां पर्यटन विभाग का मोटल आरंभ करेंगे। तातापानी क्षेत्र के विकास के लिए आने वाले समय में मास्टर प्लान भी तैयार किया जाएगा। तातापानी महोत्सव में शामिल होने जिला बलरामपुर-रामानुजगंज पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रघुनाथनगर में महाविद्यालय की घोषणा भी की, साथ ही डीपाडीह कला में नवीन पुलिस चौकी की घोषणा भी की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग की जनता को मकर संक्रांति की बधाई के साथ ही उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि सरगुजा की जनता ने मोदी जी की गारंटी पर भरोसा किया। हम आपके भरोसे पर खरा उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों में छत्तीसगढ़ का जो विश्वास रूक गया था, वो अब तेजी से होगा। डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यों को बहुत तेज गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तातापानी का संबंध माता सीता से है। यह बहुत पवित्र स्थल है। यह हम लोगों के लिए बहुत खुशी की बात है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। हमें इस महत्वपूर्ण आयोजन को देखते हुए पूरा माहौल राममय कर देना है। हर जगह भजन-कीर्तन आदि माध्यमों से पूरा माहौल भक्तिमय करना है। इस मौके पर संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि तातापानी में भगवान राम-सीता जी के पवित्र चरण पड़े। हमारा सौभाग्य है कि हमने ही 2012 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के समय में तातापानी महोत्सव की शुरूआत की थी। हमारी आस्था के केंद्रों के विकास का काम मोदी जी के नेतृत्व में हो रहा है। प्रभु राम 22 तारीख को आ रहे हैं। उनके आगमन की भव्य तैयारी करनी है। तातापानी के राम कथा से संबंधित महात्म्य के बारे में तथा यहां के जल के बारे में बताते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि ऐसी पवित्र जगह पर 400 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध रहे हैं उन्हें भी मैं शुभकामनाएं देता हूँ। इस मौके पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तातापानी का पर्यटन स्थल के रूप में इस तरह से विकास करना है कि पूरे देश के नक्शे में इसका नाम आ जाये। उन्होंने इसके विकास की संक्षिप्त रूपरेखा भी बताई।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री संजीव गोंड, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री निशा नेताम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, संभाग आयुक्त श्री जी.आर. चुरेंद्र, आईजी श्री अंकित गर्ग, सीसीएफ श्री नवीद सुजाउद्दीन अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का, एसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अवैध उत्खनन व परिवहन के कुल 5 मामले दर्ज

बिलासपुर। खनिज अमला बिलासपुर द्वारा खनिजों के अवैध परिवहन के कुल 4 प्रकरण दर्ज़ किए गए हैं। उपरोक्त प्रकरणों में 3 प्रकरण रेत के और एक प्रकरण मिट्टी ईंट का है। उपरोक्त सभी वाहन थाना सकरी, पचपेड़ी, कोनी की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखे गये हैं। इन सभी वाहन स्वामियों के विरुद्ध खनिज नियमों के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त पृथक से सकरी क्षेत्र में खनिज मिट्टी (ईंट) के अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज कर अर्थदण्ड रुपया 95,940 जमा कराया गया है।

निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश, आवेदन 1 मार्च से

बिलासपुर, 13 जनवरी 2024/लोक शिक्षण संचालनायलय के निर्देशानुसार बाल शिक्षा का अधिकारी अधिनियम के तहत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सत्र 2024-25 के लिए प्राईवेट स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों के माध्यम से बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश के लिए आरटीई डॉट सीजी डॉट इन (RTE.cg.nic.in) पोर्टल में ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। विद्यार्थियों के लिए प्रथम चरण का पंजीयन 1 मार्च से 15 अप्रैल, नोडल अधिकारियों के द्वारा दस्तावेजों की जांच 18 अप्रैल से 17 मई, लॉटरी का आबंटन 20 मई से 30 जून तक एवं स्कूल दाखिला 1 जून से 30 जून तक किया जाएगा। द्वितीय चरण का पंजीयन 1 जुलाई से 8 जुलाई, नोडल अधिकारियों के द्वारा दस्तावेजों की जांच 9 जुलाई से 15 जुलाई, लॉटरी का आबंटन 17 जुलाई से 20 जुलाई तक एवं स्कूल दाखिला 22 जुलाई से 31 जुलाई तक किया जाएगा। प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेज विद्यार्थी का जन्म प्रमाण पत्र, अभिभावक का पता और पहचान पत्र, बी.पी.एल. सर्वे सूची वर्ष 2002-03 या वर्ष 2007-08 या सामाजिक एवं आर्थिक जातिगत जनगणना सर्वेसूची 2011 में नाम हो, जाति प्रमाण पत्र, अगर मानसिक रूप से विकलांग है तो सरकारी अस्पताल से 40 प्रतिशत तक का प्रमाण पत्र आवश्यक हैं।

नही रहे पूर्व महापौर उमाशंकर जायसवाल, दिल का दौरा पड़ने से हुआ निधन

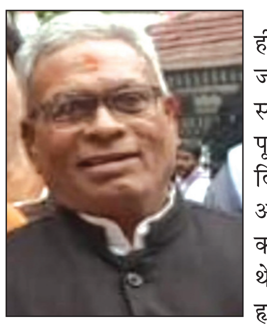

बिलासपुर। अभी तीन दिन पहले ही उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल जायसवाल का समाज की ओर से स्वागत करने छत्तीस गढ़ भवन आए पूर्व महापौर उमाशंकर जायसवाल दिल का दौरा पड़ने से अपोलो अस्पताल में निधन हो गया।वे कलचुरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष भी थे। उनकी 65 वर्ष की आयु में हृदयाघात से आकस्मिक दु:खद निधन हो गया। वे एडवोकेट राधेश्याम जायसवाल , नगर निगम के पार्षद एम आई सी सदस्य सीताराम जायसवाल के बड़े भाई एवं रवीन्द्र , देवेन्द्र व महेन्द्र के पिता थे। अंतिम संस्कार 14 जनवरी, रविवार को सुबह 11 बजे निवास स्थान से निकलकर भारतीय नगर चौक स्थित मुक्तिधाम में किया गया। श्री जायसवाल भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रति समर्पित और निर्विवाद नेता थे । उन्होंने बैजनाथ चंद्राकर को हराकर महापौर बने । वे उप महापौर और निगम सभापति भी रहे । जोगी शासनकाल के दौरान महापौर रहते हुए वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे लेकिन बाद में वे भाजपा में वापिस हो गए थे ।

बिलासपुर की बेटी ने बढ़ाया प्रदेश का मान, स्विमिंग प्रतियोगिता में जीता 3 मेडल, क्षेत्र में हुआ जोरदार स्वागत

बिलासपुर। खेल युवाओं के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है. जब स्पोर्ट्स में बच्चे अच्छा परफॉर्म करते हैं, तो उनके पेरेंट्स और कोच का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है. बिलासपुर में भी ऐसा ही कुछ दृश्य देखने को मिला. यहां की अजिंक्या और उनके जैसे कई स्विमिंग खिलाड़ी अपने नाम कई खिताब हासिल कर बिलासपुर वापस लौटे हैं. सभी का धूम-धाम से स्वागत किया गया. ढोल-नगाड़े बजे, तो फूलों की वर्षा भी हुई. आपको बता दें कि दिल्ली में 3 से 9 जनवरी तक 67वीं राष्ट्रीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया था. वहीं बिलासपुर से अजिंक्या सिंह ने 200 मीटर बैक स्ट्रोक में गोल्ड मेडल, 100 मीटर बैक स्ट्रोक में सिल्वर मेडल और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में ब्रोंज मेडल प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया. अजिंक्या के साथ ही बिलासपुर की शिवांगिनी पांडे ने 50 मीटर बटरफ्लाई में ब्रोंज मेडल प्राप्त किया है. बिलासपुर के राष्ट्रीय तैराक आरव शर्मा ,सारथी बसाक , सत्यम पांडे, आयान अली और गीतिका घोष ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. इन सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से उनके पेरेंट्स काफी उत्साहित हैं और बच्चों को आगे खेल में बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं.

कुंडी हवन एवं नशा मुक्ति का आयोजन

मस्तूरी/-डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल परसदा वेद मस्तूरी में हुआ सात कुंडी हवन एवं नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। शनिवार को शाला में मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल के पावन पर्व पर सात कुंडी हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर अतिथि सरपंच प्रतिनिधि ,महिला संघ स्व सहायता समूह एवं पत्रकारों को हवन में बैठाया गया था। गोढी प्राचार्य एस एन पांडे ने वैदिक उच्चारण कर हवन संपन्न कराया। विधालय में हवन का मूल उद्देश्य वातावरण में शुद्धता और मानसिक शांति का वातावरण निरूपित करना था।शाला प्रांगण में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने आहूति दी साथ ही स्व-सहायता एवं पत्रकारों ने हवन किया। तत्पश्चात लोहड़ी की पूजा अर्चना एस एन पांडे प्राचार्य गोढी द्वारा की गई। तत्पश्चात लोहड़ी क्यों मनाया जाता है। इस विषय पर श्री पांडेय ने ज्ञानवर्धक संम्बोधन दिया। शाला के बच्चों द्वारा पंजाब के लोकनृत्य को प्रस्तुत किया। साथ ही बच्चों ने रंग-बिरंगी पतंगे बनाकर हवा में उड़ाया गया जिससे शाला प्रांगण में तितलियों की भांति पतंगबाजी का मनोरम दृश्य से हर उपस्थितजनों के चेहरे में मुस्कान और उमंग देखते ही बन रहा था। शाला के प्रधानाचार्य श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चे उमंग का प्रतीक होते हैं, यहां उन्होंने पतंग उड़ाकर बताया। शाला में नशा मुक्ति के लिए सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथियों के साथ स्व सहायता समूह की महिलाएं भी सम्मिलित हुईं। नशा को दूर करने के लिए और आज के युवा पीढ़ी को इस भयंकर अभिशाप से बचाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। जिसके लिए जागरूकता रैली, समय-समय पर जागरूकता अभियान हेतु प्रभात फेरी, नशा मुक्ति हेतु मेले का आयोजन, संकीर्तन एवं भजन का आयोजन करने संकल्पित हुए और स्व सहायता समूह की महिलाओं से आव्हान किया गया

गर्भवती महिलाओं में बढ़ रहा है डायबिटीज का खतरा

बिलासपुर। बिलासपुर सहित राज्य में महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है।छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर के बायोकेमिस्ट्री विभाग और स्त्री रोग विभाग के संयुक्त शोध में यह तथ्य प्रकाश में आया है।

चिकित्सकों की भाषा में इसे जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के नाम से जाना जाता है। गर्भावस्था के आरम्भ अथवा मध्य में ग्लूकोस का मेटाबोलिज्म सम्पूर्ण रूप से नहीं हो पाता है। इस स्थिति को जेस्टेशनल ग्लूकोज़ इम्पेयरमेंट कहते हैं। यही स्थिति आगे चलकर गर्भावस्था में होने वाले डायबिटीज मेलिटस में परिवर्तित हो जाती है। मातृत्व स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार भारत में गर्भावस्था के दौरान जेस्टेशनल मधुमेह से ग्रसित स्त्रियों का प्रतिशत 10 से 14.3 प्रतिशत है, जो की वैश्विक प्रतिशत से बहुत अधिक है। सिम्स में बायोकेमिस्ट्री विभाग में हुए शोध में भी चौकाने वाले आंकड़े आये हैं।

डॉ प्रशांत निगम ने विभाग की ओर से किये गए पॉयलट स्टडी में ही 600 महिलाओं में से 90 महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज की स्क्रीनिंग हेतु ओरल ग्लूकोस टॉलरेंस टेस्ट के परिणाम के आधार पर निर्धारित मानक से ज्यादा ग्लूकोज़ पाया गया। सिम्स आने वाली गर्भवती महिलाओं में उक्त पायलट स्टडी के अनुसार 15% महिलायें जेस्टेशनल डायबिटीज से पीड़ित पाई गईं हैं, व्यापक शोध करने पर यह आंकड़ा कम या ज्यादा हो सकता है।

सिम्स में शोध

स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ संगीता जोगी ने बताया की यदि जेस्टेशनल डायबिटीज का इलाज़ न किया जाए तो माँ एवं बच्चे दोनों को खतरा हो सकता है। इसीलिए सभी गर्भवती स्त्रियों को अनिवार्यत: यह जांच करानी चाहिए। यह जांच बहुत सरल एवं सुगम है। सिम्स में यह जांच नियमित रूप से की जा रही है। जेस्टेशनल डायबिटीज का उपचार न कराने पर जहाँ माँ के गर्भाशय में असामान्य रूप से अधिक अम्नियोटिक द्रव बन सकता है। वहीँ प्री-इक्लैम्प्सिया, प्रदीर्घ अथवा बाधित प्रसव (प्रोलोंग अथवा ऑब्स्ट्रक्टेड प्रसव) या पोस्टपार्टम हेमोरेज जैसी विभिन्न घातक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं गर्भस्थ शिशु का गर्भपात, गर्भावस्था में मृत्यु, जन्मजात विकृति, श्वसन सम्बन्धी कारकों से पीड़ित हो सकता है। नवजात शिशु को जन्म के उपरान्त भी खतरा रहता है।

गर्भावस्था मधुमेह के प्रमुख कारण एवं निदान

जेस्टेशनल डायबिटीज के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मुख्य कारण अनुवांशिक कारक, अधिक उम्र में गर्भाधान करना, मोटापा, पोषक आहार का सेवन न करना, निष्क्रिय जीवन शैली, पॉलीसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम, गर्भावस्था में उचित देखभाल न करना एवं तनाव सम्मिलित है। साथ ही सही समय पर जांच न कराना भी एक प्रमुख कारण है। जाँच उपरान्त उपचार हेतु किसी भी एंटीनेटल केयर सेण्टर अथवा चिकित्सा महाविद्यालय में अवश्य जाएँ। स्त्रीरोग विभाग, सिम्स में भी उपचार हेतु समस्त सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अधिष्ठाता सिम्स डॉ के के सहारे ने बायोकेमिस्ट्री एवं स्त्रीरोग विभाग के चिकित्सकों को इस पायलेट स्टडी के लिए शुभकामनायें दी एवं विस्तृत शोध करने के लिए प्रेरित किया।

टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज़ हुआ हॉली क्रॉस स्कूल में

बिलासपुर। हॉली क्रॉस स्कूल में अंतर शालेय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ आज से हुआ। यह टूर्नामेंट का द्वितीय वर्ष है। आज के आयोजन के मुख्य अतिथि भारत माता इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्रिंसिपल फादर सलीन, मस्तूरी विधायक प्रतिनिधि बीपी सिंह, रवींद्र बरगाह, जीटीबी कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर गिरिराज, मनीष चरण, सचिन यादव चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (प्रयास अकैडमी) एवं संस्था के प्राचार्य डॉक्टर सिस्टर क्लेरिटा डिमेलो, सिस्टर नीलिमा, सिस्टर लूसी एवं सिस्टर अजेया थी। सभी विशिष्ट अतिथि ने मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर एवं दीप प्रज्वलित करके आज के मैच का शुभारंभ किया। आज का पहला मैच मेज़बान हॉली क्रॉस विरुद्ध सेंट यू जी एन स्कूल के साथ हुआ. टॉस जीतकर होली क्रॉस स्कूल टीम ने फील्डिंग करने का फैसला किया. सेंट यूजीन स्कूल ने 10 ओवर में 68 रन 8 विकेट खोकर बनाए. दूसरे पारी में हॉली क्रॉस टीम ने 6 ओवर 3 बॉल में 69 रन बनाकर पहला मैच अपने नाम किया एवं मैन ऑफ द मैच मोहम्मद नुमान को दिया गया. जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लेकर 13 रन दिए.

आज का दूसरा मैच सेंट जेवियर्स व्यापार विहार एवं सेजस कोनी के बीच हुआ. सेंट जेवियर्स व्यापार विहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 79 रन का लक्ष्य खड़ा किया। 7 विकेट के नुकसान पर. सेजस कोनी ने 7 ओवर और 4 बॉल में 80 रन बनाते हुए जीत हासिल किया. सबसे अधिक छक्का लगाने का अवार्ड शुभम आत्मानंद कोनी को मिला एवं मैन ऑफ द मैच भी शुभम के नाम ही रहा।

अवैध मदिरा विक्रेताओं पर आबकारी विभाग बिलासपुर की बड़ी कार्यवाही

बिलासपुर। कलेक्टर बिलासपुर अवनीश कुमार शरण के निर्देश तथा सहायक आयुक्त आबकारी जिला बिलासपुर दिनकर वासनिक के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा नववर्ष को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक13/01/24 को चकरभाठा क्षेत्र में अवैध मदिरा विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई।

आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण: कायम प्रकरण-10, जप्त सामाग्री-55 लीटर कच्ची शराब एवं 195किलोग्राम महुआ ल ा ह ा न , गिरफ्तारआरोपी-09, अजमानतीय प्रकरण-04। आरोपी राजकुमार वर्मा निवासी चकरभाठा से 07लीटर महुआ शराब, राजेश वर्मा निवासी चकरभाठा से 12लीटर महुआ शराब, बंटी वर्मा निवासी चकरभाटा से 06लीटर महुआ शराब, लावारिस प्रकरण में चकरभाठा सामुदायिक भवन के पीछे 30 लीटर महुआ शराब जब्त कर अरोपियो को आब. अधि. की धारा 34(1)(क)34(2) 59(क) के अंतर्गत प्रकरण कायम कर जेल निरुद्ध किया गया.लावारिस प्रकरण विवेचना में लिया ।

संतोष वर्मा निवासी चकरभाठा से 155कि.ग्रा. एवं सन्तु वर्मा निवासी चकरभाठा से 45कि.ग्रा. महुआ लाहान बरामद कर आबकारी अधि.की धारा 34(1)क,चके तहत प्रकरण दर्ज किया। तीतरी बाई ,प्रताप वर्मा,लक्मण दास ,सुनील थानेश्वर के विरुद्ध 36(स)का प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही में विभाग के स.जि.आब.अधि. सुश्री कल्पना राठौर,छबिपटेल एवं आबकारी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र शुक्ला,महेश राठौर ?श्वर्या मिंज तथा स्टाफ़ मुख्य आरक्षक जनक राम जगत,सुभाष तिवारी,आरक्षक प्रकाश ठाकुर,राजेश यादव,प्रभुवन बघेल ,अनिल पाण्डे साथ रहे।

सूर्यांश कन्या विवाह महोत्सव के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव को किया आमंत्रित

मस्तूरी. सूर्यांश शिक्षा उत्थान समिति के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा 12 जनवरी को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव से बिलासपुर में मुलाकात कर आगामी अप्रैल माह में आयोजित सूर्यांश कन्या विवाह महोत्सव के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधि मंडल ने उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य के उप मुख्य मंत्री बनने पर शाल, श्री फल एवं पुष्प गुच्छ देकर बधाई दिया। प्रतिनिधि मंडल ने भेंट के दौरान समिति के द्वारा समाज के लिए व्यवस्थित भूमि आवंटित करने हेतु आवेदन दिया ताकि भविष्य में सूर्यांश शिक्षा महामहोत्सव का आयोजन सिवनी जांजगीर के शाखा की तरह बिलासपुर क्षेत्र में भी सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से किया जा सके। युवा नेता चंद्रप्रकाश सूर्या के अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल में आर.एल. सूर्यवंशी, बी.आर. सत्यार्थी, टी.सी. रत्नाकर, देवकुमार पारकर, विनोद मंजारे, पुनीराम सूर्यवंशी, सत्यम भवानी, राजेश सूर्यवंशी एवं खुशी सूर्यवंशी शामिल थे।

राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी, मंदिरों में सफाई जारी

बिलासपुर। भगवान श्री राम का अयोध्या में ही नहीं बल्कि पूरे देश से लेकर विदेशों के हिंदू मंदिरों में आगमन होने वाला है। राम लला के स्वागत के लिए सभी लोग तैयारी में जुटे हुए हैं। 22 जनवरी तक किसी प्रकार की कोई कमी न रहे, इसलिए अभी से पूजा-पाठ की व्यवस्था में लगे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 14 जनवरी से सभी मंदिरों में सफाई अभियान चलाया जाएगा। रंग-रोगन से लेकर मरम्मत का कार्य करेंगे।

22 जनवरी को भगवान श्री राम का प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। पूरे देशभर में निमंत्रण देने का कार्य चल रहा है। प्रत्येक घरों से लेकर विशेष लोगों तक आमंत्रण कार्ड पहुंचाया जा रहा है। उस दिन दिवाली जैसा माहौल रहेगा। मंदिरों से लेकर घरों में दीप जलाकर खुशी मनाएंगे। साथ ही प्रभु राम की पूजा पाठ करेंगे। मंगला के 36 माल स्थित हनुमान

मंदिर के मुख्य पुजारी पं. कंचन प्रसाद मिश्रा ने बताया कि मंदिर में सफाई कार्य 22 जनवरी तक प्राथमिकता से चलाया जाएगा। वैसे तो मंदिर में प्रतिदिन सफाई होती रहती है, लेकिन भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लाइटिंग व फुल माला से सजाया जाएगा। जहां हनुमान जी हैं वहां भगवान राम भी रहते हैं।

प्रभु राम के स्वागत के लिए मंदिर समिति द्वारा विशेष योजना बनाई गई है। इसके तहत मंदिर में सफाई अभियान चलेगा। सरकंडा के नूतन चौक स्थित शनि मंदिर व सांई मंदिर के अध्यक्ष पं अमित तिवारी ने बताया कि मंदिर परिसर में रंग रोगन का काम तेजी से चल रहा है। 22 जनवरी से पहले पूरा मंदिर परिसर आकर्षक दिखेगा। विशेष झालर लगाए जा रहे हैं। इस बार रामलला का प्राण प्रतिष्ठा है, इसलिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। सभी भक्तों का मिल रहा सहयोग तिलक नगर स्थित राम मंदिर समिति के सचिव संजीव बाटवे ने बताया कि 22 जनवरी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साथ ही मंदिर को नए रूप देने के लिए सफाई अभियान चलाया जाएगा। इन दिनों सुबह-शाम मंदिर में सफाई किया जा रहा है। स्वच्छता के साथ भगवान श्री राम का स्वागत किये जाएंगे। इसलिए मंदिरों को रंग रौगन से चमकाया जा रहा है। सफाई अभियान में सभी भक्तों का सहयोग मिल रहा है।

रेलवे क्षेत्र के बालाजी मंदिर के सह सचिव रवि ने बताया कि आज से मंदिर में स्वच्छता अभियान विशेष रूप से चलेगा। इसके लिए मंदिर समिति की बैठक ली गई है। बैठक में मंदिर को भव्य व सुंदर बनाने के लिए चर्चा कर निर्णय लिया गया।

साथ ही दीवारों को चूना व पेंट्स से रंगा रहे हैं। वहीं, कचरे को एकत्रित करने के लिए गीला, व सूखा कचरे के डिब्बों में सुरक्षित रख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने तातापानी स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली के लिए मांगा आशीर्वाद

बलरामपुर. मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बलरामपुर जिले में तातापानी स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। श्री साय आज संक्रांति परब तातापानी महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर तातापानी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने तपेश्वर महादेव पर जल का अर्घ्य देकर तपेश्वर महादेव के विशाल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान स्वामी आत्मानन्द एवं जवाहर नवोदय स्कूल के बच्चों के साथ चकरी एवं मांझा थाम कर पतंगबाजी का आनन्द लिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रांगण में चारपाई पर बैठकर तिलकुट और तिल के लड्डू का लुत्फ उठाया। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन स्नान, दान के साथ तिलकुट व तिल के लड्डू को खाया जाता है।

छत्तीसगढ़ की क्रास कंट्री की टीम बिहार रवाना

बिलासपुर। एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया की ओर से बिहार के गया में 58वी राष्ट्रीय क्रास कंट्री एथलेटिक्स प्रतियोगिता 15 जनवरी को आयोजित होगी। इसमें भाग लेने के लिए शनिवार को छत्तीसगढ़ की बालक-बालिका व महिला-पुरुष टीम रवाना हुई। टीम में 32 खिलाड़ी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता अंडर-16 बालक-बालिका, अंडर-18 बालक-बालिका, अंडर-20 बालक-बालिका और पुरुष-महिला आयु वर्ग में आयोजित हो रही है।

इसके मद्देनजर छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ ने 26 और 27 अगस्त को बहतराई स्थित स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में 21वीं राज्य स्तरीय क्रास कंट्री एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की। इसमें छत्तीसगढ़ के सभी जिलो के एथलीटों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयन कर प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से 58वीं राष्ट्रीय क्रास कंट्री एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए 32 खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव, खेल मंत्री टंकराम वर्मा , विधायक अमर अग्रवाल, अटल श्रीवास्तव, सुशांत शुक्ला, भाजपा नेता रजनीश सिंह, मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले, सचिव नीलम नामदेव एक्का, श्वेता श्रीवास्तव सिंहा, आइजी अजय यादव, कलेक्टर अनवीश कुमार शरण, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार

राष्ट्रीय स्पर्धा में दिखाएंगे जौहर

सिंह, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ जीएस बाम्बरा, महासचिव छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ अमरनाथ सिंह, समेत अन्य पदाधिकारियों ने टीम के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई। यह जानकारी छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के प्रवक्ता हेमंत सिंह परिहार ने दी।

ये खिलाड़ी करेंगे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

चयनित खिलाड़ियों में अंडर-16 बालक वर्ग में सरगुजा के आशुतोष कुशवाहा, सूरजपुर के अभिषेक राजवाड़े, अंडर-16 बालिका वर्ग में दुर्ग की शीतल कुशवाहा, बीजापुर की पूजा वाचम, अंडर-18 बालक वर्ग में बिलासपुर के नैतिक सोनकर, राजनांदगांव के तुषार साहू, अंडर-18 बालिका वर्ग में दुर्ग की भुवनेश्वरी व चेतन का चयन किया गया।

इसी तरह अंडर-20 बालक वर्ग में सारंगगढ़ के अभय साहू, जांजगीर-चांपा के दिनेश कुमार कश्यप, बिलासपुर के मोहन बिलासपुर, रायपुर के धनेंद्र साहू, बलरामपुर के विशाल कुमार, सरगुजा के प्रकाश विश्वकर्मा, अंडर-20 बालिका वर्ग में राजनांदगांव की निशा साहू , साक्षी यादव , पायल पटेल, दुर्ग के रिंपल, काजल, शीतल शामिल हैं।

वहीं सीनियर पुरुष वर्ग में सूरजपुर के अशलेस कुमार राजवाडे, बेमेतरा के ओंकार वर्मा, सूरजपुर के बनारसी, दुर्ग के जसवंत कुमार, बिलासपुर के राजेश कुमार, राजनांदगांव के अनिल कुमार और महिला वर्ग में दुर्ग की रुक्मणी साहू, बालोद के भीमेश्वरी, कोंडागांव की विमलेश्वरी मांडवी, राजनांदगांव की श्रद्धा साहू, बस्तर की कुसुम व राजनांदगांव की सुनीता मानिकपुरी का चयन टीम में किया गया है। टीम के प्रबंधक कामता प्रसाद यादव एवं प्रशिक्षक बालमती यादव हैं।

मुख्यमंत्री ने किया ''पतंग उत्सव'' का शुभारंभ

श्री राम मंदिर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में शामिल हुए

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ''पतंग उत्सव'' में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति, पोंगल, गुड़ीपड़वा और लोहड़ी की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व सूर्य उपासना का पर्व है। खरमास के बाद आज से शुभ कार्यों की शुरूआत हो रही है। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने इसके पहले छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित करने के उपरांत पतंग उड़ाकर पतंग उत्सव की शुरूआत की। संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक समागम के रूप में विभिन्न समाजों की सहभागिता से पतंग उत्सव का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने रविवार को राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। मुख्यमंत्री ने मंदिर पहुंचकर सबसे पहले प्रभु श्री राम के दर्शन किये और प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने हाथों में झाड़ू लेकर मंदिर परिसर में सफाई की। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देश भर के मंदिरों, तीर्थस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

22 जनवरी को दीपक जलाने की अपील

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे भी अपने आसपास के धर्म स्थलों, आस्था के केन्द्रों, मंदिरों, गुरूद्वारों में सफाई का काम करें। प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को रात में घरों में दीप जलाएं, ऐसा उपाय करें सम्पूर्ण वातावरण राममय हो जाए।

देश की एकता और अखंडता का प्रतीक

संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि धान कटाई के बाद यह पर्व पूरे भारत में मनाया जाता है और यह कामना की जाती है कि सभी घरों में कोठार धन-धान्य से भरे रहें। आज से अयोध्या में प्रभु रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हो रहा है। आज गुजराती, तेलुगू, महाराष्ट्रियन, सिक्ख, मारवाड़ी सहित विभिन्न समाज मिलकर पतंग उत्सव मना रहे हैं। यह देश की एकता और अखण्डता का प्रतीक है। संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी. ने स्वागत भाषण दिया। मुख्यमंत्री श्री साय का इस अवसर पर विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सांसद सुनील सोनी, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, विधायक अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कांग्रेस के कई नेता न्याय यात्रा में शामिल हुए

नेता प्रतिपक्ष महंत, प्रदेश अध्यक्ष बैज, मोहन मरकाम, अमरजीत चावला ने सम्हाली जिम्मेदारी

रायपुर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में रविवार से मणिपुर से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू हुई। इस यात्रा में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ नेता मणिपुर के लिए रवाना हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और शिव डहरिया 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होने के लिए पहुंच गए है। इसके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम और पीसीसी महासचिव पूर्व अमरजीत चावला पहले ही मणिपुर जा चुके है। न्याया यात्रा के दौरान सांसद श्री गांधी अलग-अलग नागरिक संस्थाओं से मिलेंगे और जनसभाएं होंगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के जरिये प्रयास रहेगा कि लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को विमर्श के केंद्रबिंदु में लाए जाए। यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल के निकट थोबल से शुरू होकर मार्च के तीसरे सप्ताह में मुंबई में खत्म होगी। पिछली बार की तरह इस बार पूरी यात्रा पैदल नहीं होगी, बल्कि राहुल गांधी इस बार बस का भी इस्तेमाल करेंगे। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले वह यात्रा को पूरा करना चाहते हैं।

भाजपा ने कसा तंज

मणिपुर से आज से शुरू होने जा रहे कांग्रेस के भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भाजपा ने जमकर बोला हैं। साय कैबिनेट के मंत्री और दिग्गज आदिवासी नेता रामविचार नेताम ने कांग्रेस के इस यात्रा पर तीखा प्रहार किया हैं। नेताम ने इस पूरे यात्रा को ढकोसला करार देते हुए दावा किया हैं कि राहुल गांधी अब अपनी पार्टी के भीतर ही न्याय ढूंढ रहे हैं। यहाँ की जनता ने न्याय कर दिया हैं। नेताम ने कहा असुरी शक्ति का समर्थन करने वाले, अधर्म की यात्रा पर चलने वाली सरकार को जनता ने सही जगह पहुंचा दिया हैं। अब प्रदेश की जनता 2024 के चुनाव में इंतजार में हैं। छत्तीसगढ़ की 11 सीट भाजपा की झोली में जायेगी। पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की उनकी तैयारी पूरी है। नेताम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लोगों को बरगलाने का काम किया हैं। जनता ने भाजपा की सरकार बनाकर पीएम मोदी पर विश्वास जताया हैं। लोकसभा चुनाव में भी छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर भाजपा की जीत होगी। कांग्रेस में सिर फुटव्वल के हालात हैं। आपस में वे लड़ रहे वे क्या चुनाव लड़ पाएंगे?

और खराब होगी स्थिति

श्री नेताम ने कहा साधु संतो की उपस्थिति में पीएम मोदी के द्वारा भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

वे उसका भी विरोध कर रहे, ये सब कहां जायेंगे? आने वाले दिनों में ये उस लायक ही नहीं रहेंगे कि विरोध कर सके।

युवाओं में अनुशासन की बाँध आवश्यक: ओमप्रकाश वर्मा

रायपुर। विवेकानन्द मानव प्रकर्ष संस्थान, विवेकानन्द विद्यापीठ, रायपुर द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में ''युवाशक्ति, राष्ट्रभक्ति और स्वामी विवेकानन्द'' विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रारंभिक वक्ता के रूप में डॉ. ओमप्रकाश वर्मा, निदेशक विवेकानन्द मानव प्रकर्ष संस्थान ने कहा कि, 'जल से जीवन का पोषण होता है, परन्तु बाढ़ आने पर वही जल जीवन को क्षतिग्रस्त कर देता है, बाँध बनाकर

उसे विध्वंशकारी होने से बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में स्वामी प्रपत्त्यानन्द ने कहा कि, 'स्वामी विवेकानन्द ने युवाओं में आत्मसम्मान और आत्मगौरव जागृत करने का कार्य किया। इस अवसर पर डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. सुभाष चन्द्राकर ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. राजेश दुबे, मनोज यादव, वीरेन्द्र वर्मा, डॉ. बी. एल. सोनेकर सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, बी.एड. कॉलेज के प्रशिक्षार्थी एवं विवेकानन्द विद्यापीठ के छात्र उपस्थित रहे।

शासकीय आईटीआई सड्डू में आज प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सड्डू, विधानसभा रोड में सोमवार को सुबह 9 बजे से प्लेसमेन्ट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजक जिंदल इस्पात मंदिर हसौद रायपुर, डाइकिन ए.सी. रायपुर, वोल्टस् ए.सी. रायपुर, टाटा लार्डस ए.सी. रायपुर, कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन खोरपा रायपुर, रजत एक्यूपमेन्ट भनपुरी रायपुर आदि प्रतिष्ठान उक्त तिथि को उपस्थित रहेगें। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सड्डू के प्राचार्य ने बताया कि कैम्प का उद्देश्य स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहित करना है।

खिलाड़ियों को मिलेगा खेल अलंकरण : टंकराम

खेल मंत्री वर्मा ने कहा- जनवरी-फरवरी में होगा समारोह का आयोजन

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने आने वाले समय में खेल में बहुत बदलाव होने का संकेत दिया है. साथ ही उन्होंने प्रदेश के खिलाड़ियों को खेल अलंकरण दिए जाने की घोषणा करते हुए जनवरी या फरवरी में खिलाड़ियों को खेल अलंकरण दिए जाने मिलने की बात कही.

स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनने राजधानी के राम मंदिर पहुंचे खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भूपेश बघेल ने जिस खेल अलंकरण समारोह को रोककर रखा था, उसे हमारा प्रयास है कि जनवरी में ही कर लें. अगर जनवरी में नहीं हो पता तो

फरवरी में निश्चित करेंगे. टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अलंकरण पुरस्कार मिलेगा, विभाग में नौकरियां भी मिलेगी. हमारी पूर्ववर्ती सरकार ने खिलाड़ियों को जो अंक दिए थे, उनके अनुसार उनको विभाग में नौकरियां भी मिली थी. इस तरह के रास्ते फिर से खुलेंगे. खिलाड़ियों का भविष्य बहुत उज्जवल रहेगा. अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर टंकराम वर्मा ने कहा कि जिन पूर्वजों ने सपना देखा था कि रामलला विराजे जाएंगे, वह सपना पूरा होने वाला है. स्वच्छता अभियान हमारे प्रधानमंत्री के आह्वान पर चलाया गया है.

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने. इसमें सभी की भूमिका हो, इसलिए हम सभी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं.

मंत्री रजवाड़े ने दी चेतावनी

बेलगाम अधिकारियों पर होगी कार्यवाही

रायपुर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मीडिया के माध्यम से प्रदेश के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है और कहा कि कांग्रेस की सरकार में अधिकारियों के साथ-साथ कांग्रेसी कार्यकर्ता भी बेलगाम हो गए थे, लेकिन भाजपा की सरकार में ऐसा बिल्कुल भी नहीं चलेगा अगर अधिकारी बेलगाम हुए तो उन पर कड़ी कार्रवाई होगी। साय के कैबिनेट में सबसे युवा मंत्रियों में शामिल महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े दिखने में काफी सरल है लेकिन उन्होंने अपने तेवर साफ जाहिर कर दिए हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए रविवार को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने साफ तौर पर कहा कि पिछले 5 सालों में कांग्रेस की सरकार में अधिकारी एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी तरह से बेलगाम हो गए थे और भाजपा कार्यकर्ताओं पर जमकर अत्याचार हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार में ऐसा बिल्कुल भी नही चलेगा और कहीं भी शिकायत मिलती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दिव्य दरबार 23 व 24 को, 250 परिवारों की होगी घर वापसी

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक साथ एक ही स्थान पर तीन कार्यक्रम होने जा रहा है, पहला पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी का 23 से 27 जनवरी तक हनुमंत कथा व 23 व 24 को दिव्य दरबार, 26 जनवरी को 42 पूर्व सैनिक परिवार के सदस्यों का सम्मान व 27 जनवरी को निर्धन कन्याओं का निःशुल्क विवाह विवेकानंद विद्यापीठ के सामने स्थित गुढ़ियारी में संपन्न होगा। देश के इतिहास में पहली बार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की कथा में 26 जनवरी को 250 परिवारों की घर वापसी भी होगी। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर आयोजन समिति की ओर एक रविवार को एक बैठक रखी गई जिसमें सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपा गया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नारायण चंदेल, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, 8 से 10 पार्षदगण, के अलावा अन्य गणमान्य नागरिकों ने कथा स्थल की तैयारियों का निरीक्षण किया।

मकर संक्राति पर करवाया गया सूर्य नमस्कार

रायपुर । अखिल विश्व गायत्री परिवार रायपुर के जिला युवा प्रकोष्ठ एवं डिवाईन इंडिया यूथ एसोसिएशन के द्वारा विवेकानंद जयंती-युवा दिवस एवं मकर संक्राति के अवसर पर रविवार को गायत्री शक्ति पीठ समता कॉलोनी रायपुर में सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन गायत्री परिवार छत्तीगसढ़ की जोन समन्वयक श्रीमती आदर्श वर्मा एवं रायपुर के जिला समन्वयकलच्छूराम निषाद के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

रायपुर युवा प्रकोष्ठ एवं दिया के प्रभारी श्री आशीष राय एवं अमित डोये ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सूर्य नमस्कार के सभी 12 चरणों को 2 क्रम में कराया गया, जिसमें रायपुर शहर से विभिन्न आयु वर्ग के 75 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में योगांश योग अकादमी के श्री सागर मलाकर एवं योग प्लाजा रायपुर के श्री शिव कुमार साहू ने जज की भूमिका निभायी।

हमारे दिनचर्या में शामिल होना चाहिए साफ-सफाई : नेताम

रायपुर। कृषि मंत्री राम विचार नेताम आज राजधानी रायपुर के फूंड़हर स्थित शीतला माता मंदिर में सवेरे पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ वासियों के उतरोत्तर प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा और मंदिर परिसर की साफ-सफाई की।

मंत्री नेताम ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वयं हाथ में झाड़ू लिया और स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता संदेश को लोगों ने प्राथमिकता में लिया। आज लोग मठ-मंदिरों सहित सार्वजनिक स्थलों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड, कार्यालय व नदी-नालों की साफ-सफाई अभियान में लगे हैं। इसी अभियान के तहत नेताम आज मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक व प्रोत्साहित करने फूंड़हर के शीतला मंदिर पहुंचे।

ज्वेलरी शॉप में 5 गोल्ड लॉकेट की चोरी

वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद, पुलिस कर रही शातिर महिलाओं की तलाश

रायपुर। रायपुर में दो शातिर महिलाओं ने खरीदारी के बहाने ज्वैलरी शॉप से गहने चोरी कर लिए। महिलाओं ने दुकान के स्टाफ को बातों में उलझाया और फिर 5 गोल्ड लॉकेट छिपा लिए। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सदर बाजार निवासी भीमराव जाधव की आंबेडकर चौक के पास छत्रपति शिवाजी ज्वेलर्स नाम से दुकान है। 3 जनवरी की दोपहर करीब 1 बजे दो महिलाएं दुकान में आईं। एक महिला ने स्कार्फ से अपना चेहरा ढंका हुआ था। वारदात के दौरान एक महिला ने दुकान में मौजूद महिला स्टाफ को अपनी बातों पर उलझाए रखा। दूसरी दुकान के अन्य लोगों पर नजर बनाए थी। वे लगातार मौके की तलाश में थी। उन्होंने महिला स्टाफ से पहले कई अलग-अलग तरह की ज्वेलरी दिखाने की बात की।

महिलाओं ने दुकान के सामने शोकेस में रखे सोने में लॉकेट को बाहर निकलवाया। स्टाफ उन्हें लॉकेट दिखाने में उलझ गई। तभी स्कार्फ बांधी हुई महिला ने एक-एक कर 5 लॉकेट को अपने हाथ में उठाए और मोबाइल के नीचे छिपा लिया। फिर कुर्सी पर बैठ गई। दुकान मालिक भीमराव जाधव ने गुढ़ियारी थाने में स्नढ्ढक्र दर्ज करवाई है। उनके मुताबिक, चोरी गई गहने करीब 40 हजार रुपए के थे। फिलहाल पुलिस ने दुकान पहुंचकर जांच पड़ताल की। आसपास मौजूद कैमरों की मदद से वो महिलाओं की तलाश में जुट गई है।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर स्वच्छता अभियान से जुड़ा श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर

विशेष अभियान में जुड़े पदाधिकारी

रायपुर। श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के 11 दिवसीय विशेष अनुष्ठान में मंदिरों व तीर्थस्थलों में स्वच्छता अभियान से जुड़ते हुए श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया । जैन मंदिरों में प्रतिदिन पक्षाल पूजा के साथ सफाई की जाती है , परन्तु आज विशेष रूप से पूरे मंदिर परिसर की सफाई में ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद , महासचिव महेन्द्र कोचर , ट्रस्टी नीलेश गोलछा , जय सांखला , भैरव सोसायटी निवासी संघ के राजेश गोलछा , जितेन्द्र गोलछा व अनेक श्राविकाओं ने भाग लिया । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव

महेन्द्र कोचर न कहा कि स्वच्छता में ही भगवान का निवास होता है।

तीन दिवसीय रामलला महोत्सव का निर्णय

श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर चमत्कारी जैन दादाबाड़ी के श्रद्धालुओं ने जिन मंदिर , अपने घरों में स्वच्छता का संकल्प लिया ।

श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर भैरव सोसायटी श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में तीन दिवसीय रामलला महोत्सव का निर्णय लिया गया । जिसका आरम्भ 20 जनवरी को सम्पूर्ण क्षेत्र के घरों में रामचन्द्र जी की फ़ोटो युक्त ध्वज लगाकर होगा । तीन दिवसीय कार्यक्रम में दीपक , दुपट्टा वितरण , भव्य श्री रामलला शोभायात्रा , प्रभावना वितरण , शुद्ध घी के दीपक से मंदिर व चमत्कारी जैन दादाबाड़ी व सोसायटी को प्रकाशमान किया जावेगा।

अंतर्विभागीय लीड एजेंसी एवं यातायात पुलिस का आयोजन

सड़क सुरक्षा माह के पहले दिन अनुपम गार्डन में हुआ कार्यक्रम

रायपुर। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा एवं यातायात पुलिस रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से रविवार को सुबह शहर के अनुपम गार्डन में 'स्वस्थ शरीर रखें स्वस्थ मन, स्वस्थ मन रखें सुरक्षित जन' थीम पर योग, एरोबिक्स, जुंबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राएं एवं अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने अनुपम गार्डन परिसर रायपुर में अच्छे स्वास्थ्य एवं लोक जागरूकता के शानदार इवेंट में सहभागी बनें। प्रति वर्ष सड़क सुरक्षा माह के दौरान इस वर्ष भी रोड सेफ्टी लीड एजेंसी एवं यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जन सामान्य में यातायात नियमों के अनुपालन के लिए यातायात जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

कई सामाजिक संगठन कर रहे भागीदारी

अभियान में छत्तीसगढ़ की अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं, एनसीसी, स्काउट्स, गाइड्स, एनएसएस सहित अन्य संगठन मिलकर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों में यातायात पुलिस के प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा शहर के विभिन्न शैक्षणिक, समाजसेवी संस्थाओं, उद्यानों, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, ग्राम पंचायत, चौपालों, प्रमुख बाजार क्षेत्र में जाकर आम नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। साथ ही नियमों के पालन से सुरक्षित वाहन चालन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

2550 वर्ष बाद भी प्रासंगिक है भगवान महावीर के उपदेश

भगवान महावीर और उनके लोक कल्याणकारी उपदेश विषयक संगोष्ठी आयोजित

रायपुर। सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष में भगवान महावीर और उनके लोक कल्याणकारी उपदेश विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम संयोजक कैलाश रारा के अनुसार श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रन्थ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति गौतम चौरडिया, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव भाई शर्मा,

मानवाधिकार आयोग के सदस्य नीलम सांखला, वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज एवं दैनिक विश्व के संपादक प्रदीप जैन ने भाग लिया। मुख्य वक्ता गौतम चौरडिया ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर ने विश्व व्यवस्था को जड़ एवं चेतन दो शब्दों में परिभाषित कर दिया। प्रभु महावीर के सर्वकालिक उपदेश आज 2550 वर्ष बाद भी उतने ही प्रासंगिक है जितने उनके काल में हुआ करते थे। कुलपति बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि महापुरुषों के उपदेश किसी एक धर्म विशेष के लिए नहीं बल्कि जन-जन के लिए हुआ करते हैं। मानवाधिकार आयोग के सदस्य नीलम सांखला ने बतलाया कि प्रभु श्री महावीर ने कहा है कि जो चीज़ अपनी नहीं उसका मोह कैसा इसलिए पदार्थ में आसक्ति छोड़ निर्लिप्त भाव से जियें। वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने एक मुक्तक के माध्यम से जैन धर्म को समझाते हुए बतलाए कि- सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह और अस्तेय। इनको जिसने जाना वह जैनी बना अजेय।

लक्षद्वीप पर कब्जा करना चाहते थे जिन्ना

अभिनय आकाश

जनवरी 2024 के शुरुआती हफ्ते में जब पीएम मोदी ने लक्षद्वीप का दौरा किया। पीएम ने लक्ष्यद्वीप के पर्यटन का प्रचार किया और वहां कई तस्वीरें भी खिंचवाईं। पीएम मोदी के इस दौरे के बाद गूगल पर लक्षद्वीप कीवर्ड गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया जाने लगा। पर्यटन की दृष्टि से लक्ष्यद्वीप की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि इस आयलैंड से जुड़ा एक दिलचस्प इतिहास भी है। आजादी के बाद लक्षद्वीप भारत का हिस्सा कैसे बना और इस आयलैंड का नाम लक्ष्यद्वीप कैसे पड़ा। क्या है जिन्ना की लक्षद्वीप पर कब्जा करने की कोशिश की कहानी जिसे सरदार ने अपनी सूझबूझ से कर दिया था नाकाम। लक्षद्वीप को लैकाडिव भी कहा जाता है, भूमि क्षेत्र के मामले में बहुत अधिक नहीं हो सकता है क्योंकि 36-द्वीप द्वीपसमूह का माप मात्र 32.69 वर्ग किमी है। लेकिन लक्षद्वीप की प्राकृतिक सुंदरता और रणनीतिक स्थिति इसे भारत के लिए एक संपत्ति बनाती है। आजादी के लिए सदियों से चली आ रही लड़ाई और हजारों बलिदानों के अलावा, भारत ने आजादी के समय विभाजन रूपी दंश भी झेला। औपनिवेशिक काल के दौरान, भारत को कई रियासतों में विभाजित किया गया है। अलग-अलग अनुमान इन प्रांतों की अलग-अलग संख्या बताते हैं लेकिन वे लगभग 540-565 के बीच थे। इन प्रांतों में हैदराबाद, जूनागढ़, जम्मू और कश्मीर और उनमें से एक लक्षद्वीप था। पूर्व गृह मंत्री और उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को विभाजन के समय 562 रियासतों को भारत में एकीकृत करने का श्रेय दिया जाता है। यह वह समय था जब जूनागढ़ और हैदराबाद जैसी कई रियासतें पाकिस्तान में शामिल होने की कोशिश कर रही थीं। हालाँकि, ऐसा नहीं हुआ क्योंकि भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल ने उन्हें भारत में एकीकृत किया। पटेल को 560 से अधिक रियासतों को भारतीय प्रभुत्व में एकीकृत करने का काम सौंपा गया था। 6 अगस्त, 1947 को उन्होंने एकीकरण की प्रक्रिया शुरू की और अपनी राजनीतिक परिपक्वता और प्रेरक कौशल से उन्होंने सभी प्रांतों को पूरी तरह से एकीकृत कर दिया। जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे राज्यों ने भारत के साथ एकीकरण का विरोध किया लेकिन पटेल की रणनीति ने सभी प्रतिरोधों पर काबू पा लिया। विभाजन के वक्त भारत और पाकिस्तान के बीच कई सूबों का बंटवारा हुआ। इस दौरान तीन रियासतें जम्मू कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद पर पाकिस्तान अपना हक जताना चाहता था। पाकिस्तान का कहना था कि इन सूबों में मुस्लिम आबादी ज्यादा है, इसलिए इसे पाकिस्तान का हिस्सा होना चाहिए। लेकिन सरदार पटेल ने सूझबूझ दिखाते हुए जूनागढ़ को जनमत संग्रह से और जम्मू कश्मीर को विलय पर साइन करवाकर व हैदराबाद को पुलिस कार्रवाई के जरिए भारत में शामिल करवा लिया। भारतीय स्वतंत्रता के समय लक्षद्वीप ब्रिटिश नियंत्रण में था। भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन की प्रक्रिया जितनी जटिल थी, उसका एक आधार धर्म भी था। लक्षद्वीप द्वीप समूह दक्षिणी भारतीय मालाबार तट के करीब हैं। लक्षद्वीप में मुसलमानों की संख्या अधिक होने के कारण पाकिस्तान ने इस पर कब्ज़ा करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। पाकिस्तान ने लक्ष्यद्वीप को कब्जाने के लिए युद्धपोत भेज दिया। पीएम मोदी ने अक्टूबर 2019 में अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भी बताया ता कि भारत के लौह पुरुष ने कैसे न केवल हैदराबाद और जूनागढ़ जैसी अहम रियासतों को एकजुट किया, बल्कि लक्ष्यद्वीप को पाकिस्तान से भी बचाया था। 1947 में भारत विभाजन के तुरंत बाद हमारे पड़ोसी की नज़र लक्षद्वीप पर थी और उसने अपने झंडे के साथ जहाज भेजा था।

कांग्रेस ने राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया

ललित गर्ग

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों ने शामिल नहीं होने का निर्णय लेकर जहां अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है, वहीं भारत के असंख्य लोगों की आस्था एवं विश्वास को भी किनारे करते हुए आराध्य देव भगवान श्रीराम को राजनीतिक रंग देने की कुचेष्ठा की है। भले ही यह भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्चस्व का अनुष्ठान है, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा देते हुए कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहते हुए समारोह में भाग लेना चाहिए था। राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने खुद अपनी जमीन को खोखला करने की ठान रखी है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि! निश्चित ही कांग्रेस अब भारत की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को नकार रही है, वह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए जा रहे हर फैसले भारत विरोधी शक्तियों को बल देने, कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने, जातीयता एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति को कायम रखने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार देने का ही द्योतक है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम केवल हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि राष्ट्र का उत्सव है। साथ ही देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का महा-अनुष्ठान है।

बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल आक्रांताओं ने तलवार के बल पर हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन ही नहीं कराया बल्कि हिन्दु मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों को ध्वस्त किया था। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम को भी नहीं छोड़ा गया और हजारों मंदिरों को?ध्वस्त कर उनके स्थान पर मस्जिदें बनवा दीं गयी। आजादी के बाद इस गौरवमय धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को पुनर्निर्मित करने का काम

होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस शासन ने संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा नहीं होने दिया। आज भाजपा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता एवं ऐतिहासिक भूलों को सुधारने काम कर रही है तो उसे राजनीतिक रंग देना मानसिक दिवालियापन एवं राष्ट्र-विरोधी सोच है। श्रीराम मंदिर राजनीति का विषय नहीं है बल्कि आस्था का विषय है। आस्था हर व्यक्ति की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। राम लला साढ़े पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। अब वह समय आ गया है, भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिन राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित रहेंगे। श्रीराम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, भारत की राजनीति के लिये वे प्रेरणास्रोत हैं, उन्हें केवल भाजपा या आरएसएस का बताने वाले भारत की जनआस्था से स्वयं को ही दूर कर रहे हैं, स्वयं को हिन्दू विरोधी एवं राम-विरोधी होने का आधार ही मजबूत किया है। अच्छा होता निमंत्रण ठुकराने की बजाय इस समारोह में उपस्थित होकर श्रीराम के प्रति एवं असंख्य लोगों की आस्था का सम्मान करते। इस तरह एक जीवंत परम्परा को झुठलाने एवं ठुकराने के निश्चित ही आत्मघाती दुष्परिणाम होंगे।

श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस ने सदैव श्रीराम मंदिर आंदोलन से दूरी बनाकर रखी, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में रोड़े अटकाए और जिसने सर्वोच्च न्यायालय में यह हलफनामा दिया हो कि श्रीराम का कोई अस्तित्व नहीं है, श्रीराम एक काल्पनिक पात्र हैं, उस कांग्रेस के नेताओं से यह अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है कि वे श्रीराम मंदिर निर्माण के महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक प्रसंग में उत्साह, उमंग एवं आनंद के साथ शामिल होंगे? कांग्रेस के इस निर्णय से हिन्दू मन के कांग्रेसी नेता अवश्य ही आश्चर्यचकित एवं दुःखी हैं। कांग्रेस के भीतर से ही कई नेताओं ने खुलकर यह कहने की हिम्मत दिखायी है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हमारे आराध्य देव हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारतभर में अनगिनत लोगों की आस्था इस नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को उस खास तरह के बयान से दूरी बनाए रखनी चाहिए और जनभावना का दिल से सम्मान करना चाहिए।'' यहां प्रश्न यह भी है कि जब मंदिर निर्माण को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया था, तो अब वे इसे केवल भाजपा का पार्टीगत मामला क्यों मान रही है? वास्तव में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल केवल एक ही तरीके से भाजपा को इससे होने वाले राजनीतिक लाभ को कम कर सकते है और वह तरीका शालीनता से इस समारोह में भाग लेना और इस बात पर जोर देना है कि श्रीराम सभी के हैं, उन पर किसी एक पार्टी या नेता का एकाधिकार नहीं है। लेकिन एक तरफ न्यायिक प्रक्रिया का स्वागत करना और दूसरी तरफ उद्घाटन-समारोह का न्योता ठुकराना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाली रणनीति है। भले ही कांग्रेस ने सारे नफा-नुकसान को देखकर अपनी धर्मनिरपेक्ष वाली वैचारिक छवि के साथ खड़ी रहने का फैसला लिया हो, लेकिन इस फैसले से सन्निकट खड़े लोकसभा चुनाव में उसे भारी नुकसान ही होगा। वैसे भी श्रीराम के बहुप्रतीक्षित धाम का निर्माण भाजपा का अपना निजी प्रोजेक्ट नहीं है, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निष्पत्ति है और इसीलिए यह एक गैर-राजनीतिक घटना है। मंदिर-निर्माण की देखरेख के लिए न्यायिक रूप से स्वीकृत ट्रस्ट का गठन किया गया था और वही उद्घाटन-कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहा है।

भाजपा को श्रीराम मन्दिर बनने का राजनीतिक फायदा मिलना स्वाभाविक भी है। मंदिर निर्माण का बीड़ा भाजपा-संघ ने दशकों से उठा रखा था। शायद जब आडवाणी ने 1990 में रथ यात्रा शुरू की, तब इसकी प्रेरणा आस्था और राजनीति दोनों रही होगी, क्योंकि पार्टी को 1984 की अपमानजनक हार से उबारने के लिए एक मजबूत भावनात्मक मुद्दे की जरूरत थी। लेकिन आज इस भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा तब की जा रही है, जब पार्टी बहुमत से सत्ता में है और उसका नेतृत्व नरेंद्र मोदी जैसे करिश्माई नेता कर रहे हैं। यह स्वाभाविक ही है कि इसका लाभ भाजपा को मिलेगा, खासकर तब जब उद्घाटन चुनावों की पूर्व संध्या पर किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन दलों के रुख पर ताज्जुब है। वास्तव में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का जोर तो श्रीराम पर भाजपा के बराबर ही दावा करने पर होना चाहिए था। उन्हें पुरजोर तरीके से कहना चाहिए था कि मंदिर-निर्माण उन सभी लोगों की जीत है, जो श्रीराम में विश्वास करते हैं, ताकि उसका श्रेय लेने के भाजपा के उद्देश्य को कमजोर किया जा सके। दार्शनिक एवं राजनीतिक दृष्टि से भी ऐसा करना उचित ही होता। निमंत्रण ठुकराने के निर्णय के बाद कांग्रेस हिन्दुओं की सहानुभूति पूरी तरह खो सकती है। देखना होगा कि 'राम के निमंत्रण' को ठुकराने के कांग्रेस के निर्णय को हिन्दू समाज किस तरह लेता है। बाकी तो 'होई वही जो राम रचि राखा'। विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेता आज भी इस प्रकार के बयान इसलिए दे रहे हैं ताकि श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महाउत्सव में किसी-न-किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाए। इसी संदर्भ में वे शंकराचार्यों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति को लेकर वितंडावाद खड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं, लेकिन हिन्दू समाज इन सब बातों को कुतर्क एवं विपक्षी नेताओं की हताशा-निराशा मानकर अनदेखा कर रहा है। हिन्दू आस्था एवं उजालों पर कालिख पोतने एवं उन्हें कमजोर करने की चेष्टाओं के दिन अब लद चुके हैं, इसलिये कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के दलों को अपनी राजनीति जमीन को सुदृढ़ करने के लिये अपनी संकीण एवं पुरातन सोच को बदलना चाहिए।

भारत के साथ बेहतर रहे हैं शेख हसीना के संबंध

राजेश बादल

अवामी लीग एक बार फिर बांग्लादेश में सरकार बना रही है। भारत ने वहां जम्हूरियत पसंद सरकार बनने पर खुशी जताई है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी अपनी प्रेक्षकीय भूमिका में बांग्लादेश के चुनाव आयोग की शैली और उसके कामकाज पर संतोष प्रकट किया है।

अलबत्ता अमेरिका ने आरोप लगाया है कि वहां निष्पक्ष निर्वाचन नहीं हुए और सत्तारूढ़ पार्टी ने विपक्ष की आवाज कुचलने का काम किया है। यह सच है कि विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार किया था और बड़ी संख्या में प्रतिपक्षी नेता जेलों में हैं। लेकिन किसी भी लोकतंत्र में निर्वाचन का कोई विकल्प नहीं हो सकता इसलिए विपक्ष के चुनाव बहिष्कार की कोई बहुत सार्थकता नहीं है। यह भी सवाल खड़ा होता है कि क्या किसी भी मामले में सौ फीसदी निष्पक्षता संभव है? कह सकते हैं कि धुरी बदलते मौजूदा विश्व में ऐसी निष्पक्षता अब संभव नहीं है। चाहे वह कोई भी राष्ट्र हो- सत्ता, सरकार और अंतरराष्ट्रीय हालात का अतिरिक्त दबाव तो होता ही है। ऐसे में अमेरिका का यह आरोप बेमानी है। विदेश नीति में बदलाव के चलते उसे बांग्लादेश के चुनाव में दोष निकालने ही थे। इन दिनों उसने पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखा है, जहां फौज लोकतंत्र को दशकों से कुचल रही है लेकिन अमेरिका को यह नजर नहीं आ रहा है.। वह प्रसन्न है कि पाकिस्तान ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी को जेल में डाल रखा है क्योंकि इमरान खान खुल्लमखुल्ला कहा करते थे कि उनकी सरकार गिराने के पीछे अमेरिका का हाथ है।

इसलिए पाकिस्तान से प्रसन्नता और बांग्लादेश से नाराजगी उसे दिखानी ही है। बांग्लादेश यह कैसे भूल सकता है कि उसकी आजादी के आंदोलन में हिंदुस्तान बेखौफ साथ खड़ा हुआ था और अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था. विदेश नीति की ऐसी त्रुटियां या विसंगतियां किसी भी देश को आगे जाकर भारी पड़ती हैं। अफसोस! अमेरिका इससे सबक सीखने के लिए तैयार

नहीं है। उसने भारत और पाकिस्तान के मामले में अधिकतर पाकिस्तान पर दांव लगाया है, जो प्राय: गलत साबित हुआ है। असल में भारत के साथ समान लोकतांत्रिक देश की तरह वह व्यवहार नहीं करना चाहता। अपने को दुनिया का चौधरी मानते हुए वह सारे राष्ट्रों को अमेरिका का सहायक समझता है। यही उसकी भूल है। वह अपने को चक्रवर्ती सम्राट की भूमिका में देखता है और तमाम देशों को वह युद्ध में पराजित राजा समझता है, जिनके लिए अमेरिका के सामने सिर झुकाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह जमींदाराना लोकतंत्र का नमूना है। मान सकते हैं कि

कुछ समय पहले उसका रुतबा था लेकिन हालिया घटनाक्रमों में उसकी भूमिका ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। दरअसल, भारत और बांग्लादेश के बीच सिर्फ यही रिश्ता नहीं है कि कभी दोनों मुल्क एक थे। देखा जाए तो पाकिस्तान भी भारत की कोख से ही निकला हुआ है। मगर उसने तो कोख का सम्मान नहीं किया। हजार साल की साझा संस्कृति का भी उसने ख्याल नहीं रखा। इस नजरिये से भारत और बांग्लादेश की गर्भनाल एक है। जिस राष्ट्र का नाम ही बांग्ला भाषा पर हो और जहां की राष्ट्रभाषा बांग्ला हो, जिसका राष्ट्रगान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा हो और जिसके राष्ट्रपिता को भारत में भी उतना ही मान मिलता हो, जितना उनके अपने देश में तो उसकी गर्भनाल भारत से अलग कैसे हो सकती है।

इसके उलट पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को तो भारत में ही खलनायक माना जाता है और भारत की तो छोड़िए, अब तो पाकिस्तान भी जिन्ना को याद नहीं करना चाहता। जिन्ना अपने जीते जी ही पाकिस्तान में पराएपन का शिकार बन गए थे। शेख हसीना मुल्क के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति रहे शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी हैं। वे पांचवीं बार मुल्क की बागडोर संभालेंगी। जब बागी सैनिकों ने उनके पिता समेत पूरे परिवार को मार डाला तो शेख हसीना बांग्लादेश में नहीं थीं। वे लंदन में थीं, वहां से वे भारत आईं क्योंकि उनको अपने ही देश में जान का खतरा था।

भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनको लंबे समय तक सुरक्षा और संरक्षण दिया। उसी की बदौलत उन्होंने बांग्लादेश में अवामी लीग को जीवित किया। आज भी बांग्लादेश के लोग शेख मुजीबुर्रहमान और भारत की भूमिका को याद रखते हैं। स्वयं शेख हसीना हिंदुस्तान को अपना दूसरा घर मानती हैं इसलिए बांग्लादेश में उनका चुनाव जीतना यकीनन भारत के साथ स्थिर और भरोसेमंद संबंधों की गारंटी माना जा सकता है। इसके अलावा भारत का स्थायी समर्थन बांग्लादेश को सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी राहत देता है।

चुनाव के बाद बांग्लादेश की तस्वीर कैसी होगी? हिंदुस्तान के पड़ोसियों पर चीन और अमेरिका जिस तरह अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं, वह भारतीय उपमहाद्वीप की सुरक्षा और शांति के लिए गंभीर चेतावनी है। चीन ने बांग्लादेश को घेरने और ललचाने की अनेक कोशिशें की हैं, पर वे कामयाब नहीं रही हैं। हालांकि उसका व्यापार संतुलन भारत की तुलना में बेहतर है। शेख हसीना को अपने पांचवें कार्यकाल में देश के सामने विकराल आर्थिक चुनौतियों से निपटना होगा।

भारत से बांग्लादेश का सड़क, रेल और कारोबारी संपर्क दिनोंदिन बेहतर हो रहा है। दाल, चावल, सब्जियों से लेकर बिजली उत्पादन में भारतीय सहयोग से उसकी अनेक समस्याएं हल भी हुई हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि दोनों राष्ट्रों के बीच व्यापार संतुलन में सुधार होगा और शेख हसीना टिकाऊ सरकार दे सकेंगी। हां, विपक्ष के बारे में उन्हें निश्चित रूप से अपने रवैये को बदलने की जरूरत है।

ऐसा कोई सगा नहीं जिसे राष्ट्रपति मुइज्जू ने ठगा नहीं!

नीरज कुमार दुबे

मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू सिर्फ भारत विरोधी नहीं हैं बल्कि उनके इतिहास पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि वह किसी के सगे नहीं हैं। हम आपको बता दें कि मोहम्मद मुइज्जू ने चीन समर्थक माने जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन की उंगली पकड़ कर राजनीति में कदम रखा, उनके नक्शेकदम पर चलते हुए भारत विरोध को हवा दी और आखिरकार राष्ट्रपति पद तक पहुँच गये। लेकिन अब माना जा रहा है कि मुइज्जू के संबंध अपने गुरु अब्दुल्ला यामीन के साथ बिगड़ गये हैं। हालात ऐसे हो गये हैं कि भ्रष्टाचार के आरोपों में सजा काट रहे अब्दुल्ला यामीन अपने ही चेले मुइज्जू और अपनी ही पार्टी का विरोध नई पार्टी बनाकर कर सकते हैं। यामीन को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी और गठबंधन की सरकार बनने पर उन्हें रिहा करवाने का प्रयास किया जायेगा लेकिन मुइज्जू ने सत्ता पर पूरी तरह अपनी पकड़ कायम करने के लिए यामीन को दरकिनार कर दिया है।

यह भी बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति पद संभालने वाले दिन मुइज्जू ने उन लोगों की ओर देखा तक नहीं जिन्होंने राजनीति में आगे बढ़ने में उनकी मदद की थी। बताया जा रहा है कि अब्दुल्ला यामीन शुरू से ही मुइज्जू के इस स्वार्थी रुख से वाकिफ थे इसलिए वह उन्हें अभी राष्ट्रपति चुनाव का टिकट भी नहीं दिलवाना चाहते थे। लेकिन अपनी उम्मीदवारी के लिए पीपुल्स नेशनल कांग्रेस को मनाने में मुइज्जू कामयाब रहे थे। बताया जाता है कि जेल की सजा के कारण मोहम्मद यामीन के पास मुइज्जू की उम्मीदवारी का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था इसलिए उन्होंने मजबूर होकर अपनी पत्नी के माध्यम से अपनी सहमति पार्टी के पास उस दिन भेजी जब मुइज्जू चुनाव आयोग के

समक्ष अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे थे।

बताया जा रहा है कि मुइज्जू की जीत के जश्न के दौरान और उसके बाद घटी घटनाओं से पूर्व राष्ट्रपति यामीन और उनके साथी डॉ. मोहम्मद जमील अहमद के मन में नाराजगी स्पष्ट हो गयी थी क्योंकि लगातार उनका अपमान किया जा रहा था। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव में 30 सितंबर को हुए चुनावों के बाद और मतगणना के बीच ही जमील और उनके सहयोगियों ने जनता को आगाह करना शुरू कर दिया था कि उन्हें आने वाली सरकार के बारे में सतर्क रहने की जरूरत है। इस तरह से देखा जाये तो नई सरकार के औपचारिक रूप से सत्ता संभालने से पहले ही मालदीव में असंतोष का माहौल शुरू हो गया था।

मालदीव के चैनल 13 पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. मोहम्मद जमील अहमद ने कहा कि यामीन चाहते थे कि वह राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डॉ. मुइज्जू के जश्न में भाग लें। जमील के अनुसार, यामीन ने डॉ. मुइज्जू से यह भी अनुरोध किया था कि जब तक वह पूरी तरह से रिहा नहीं हो जाते, तब तक जश्न का कार्यक्रम स्थगित कर दिया जाए। जमील ने कहा कि अगर मुइज्जू चाहते तो तत्कालीन सरकार यामीन को उनकी आपराधिक सजा के बावजूद जश्न में भाग लेने की अनुमति देती। जमील के अनुसार मुइज्जू ने अपने विजयी संबोधन में भी यामीन के प्रति आभार व्यक्त नहीं किया था। हम आपको बता दें कि यामीन के राष्ट्रपति रहने के दौरान डॉ. जमील उपराष्ट्रपति थे। हालांकि उनको बाद में पद से हटा दिया गया था। उपराष्ट्रपति पद से बर्खास्त होने के बाद जमील ने यामीन के खिलाफ लंबे समय तक हमला बोला था और 2018 में यामीन को सत्ता से हटाने के लिए मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) की राजनीतिक गतिविधियों के पीछे उन्हीं का हाथ माना जाता है। लेकिन अपने रुख में पूर्ण बदलाव के बाद जमील अब यामीन के प्रमुख पक्षकार बन गये हैं और पीपुल्स नेशनल फ्रंट (पीएनएफ) नामक नई राजनीतिक पार्टी बनाने के प्रयासों का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

चुनावी जीत के जश्न के कार्यक्रम में यामीन की उपस्थिति की अनुमति देने में डॉ. मुइज्जू की ओर से दिखायी गयी उपेक्षा के बारे में जमील ने कहा, बेशक हमें उम्मीद थी कि वे इस दोस्ती और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का सम्मान करना जारी रखेंगे। यामीन भी इसके उतने ही हकदार हैं। समारोह के दौरान उन्हें उचित श्रेय और धन्यवाद मिलना चाहिए था। लेकिन हमने इस संबंध में कुछ भी नहीं सुना और इस बात ने तुरंत भावनात्मक रूप से हम पर गहरा प्रभाव डाला। यह भी बताया जाता है कि चुनाव में जीत के बाद मुइज्जू ने जब विजयी संबोधन दिया तो उसके ठीक बाद उन्हें यामीन का फोन आया। लेकिन मुइज्जू ने कॉल का जवाब देने से ही इंकार कर दिया। यही नहीं, मुइज्जू ने यामीन के कॉल मी बैक संदेशों को भी नजरअंदाज कर दिया।

बताया जाता है कि मुइज्जू की गुस्ताखियों को देखते हुए यामीन का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया है। उन्होंने नयी सरकार के कामकाज संभालने के बाद अपने समर्थकों को अपने आवास पर एकत्रित कर हाल की घटनाओं पर अपनी निराशा और नाराजगी जताई। अपने समर्थकों के लिए भेजे गये संदेश में यामीन ने कहा कि गठबंधन के नेताओं और पार्टी के सदस्यों के अंदर उनके लिए सड़कों पर उतरने की दृढ़ता होनी चाहिए। यामीन ने कहा कि पार्टी नेताओं को केवल शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद बड़े-बड़े बयान नहीं देने चाहिए, बल्कि यह दिखाना चाहिए कि वे किस चीज से बने हैं। बताया जाता है कि इसके बाद से राष्ट्रपति मुइज्जू ने यामीन से संपर्क करने से परहेज किया और पूर्व राष्ट्रपति के संदेशों का जवाब नहीं दिया। यह भी बताया जा रहा है कि यामीन के पास मंत्री पद के लिए नामों की एक सूची थी, जिस पर वह राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ चर्चा करना चाहते थे। हालाँकि, उन्हें इसका अवसर नहीं मिला। यामीन इस बात को लेकर नाराज दिखे कि मंत्रिमंडल में अनुभवहीन लोगों को भर लिया गया है। हाल में जब तीन मंत्रियों की ओर से भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर टिप्पणियां की गयीं तो यामीन की नाराजगी जायज भी प्रतीत हुई। बताया जा रहा है कि यामीन करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन वह जेल और पैरोल अधिनियम से बंधे हुए हैं जोकि उन्हें किसी भी राजनीतिक गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल होने से रोकता है। बहरहाल, यामीन के लिए अपने राजनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने की एकमात्र उम्मीद एक नई राजनीतिक पार्टी बनाना है। देखना होगा कि मालदीव की घरेलू राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ती है। लेकिन एक बात साफ दिख रही है कि मुइज्जू के लिए राजनीतिक चुनौतियां पार्टी और गठबंधन के भीतर तो बढ़ने ही वाली हैं साथ ही विपक्ष भी उनके खिलाफ नये सिरे से लामबंद होने वाला है। मुइज्जू माले के मेयर रहे हों या अब राष्ट्रपति पद पर बैठे हों...उन्होंने हमेशा वरिष्ठों को दरकिनार करने और जिनका समर्थन लेकर आगे बढ़े उनको भुलाने की जो राजनीति की है उसको जनता अब समझ चुकी है इसीलिए कहा जा रहा है कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मुइज्जू ने ठगा नहीं।

आज का इतिहास

1943 दुनिया के सबसे बड़े कार्यालय भवन पेंटागन का निर्माण पूरा हुआ।

1943 दुनिया में सबसे अधिक क्षमता वाला कार्यालय भवन, संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग का मुख्यालय है जिसे पेंटागन के नाम से जाना जाता है।

1951 बुचेनवाल्ड के कमांडेंट और मजडनक एकाग्रता शिविरों की पत्नी, इल कोक को पश्चिम जर्मन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

1968 सिसिली में एक भूकंप ने 380 लोग मरे और करीब 1,000 लोग घायल हो गए।

1981 हिल स्ट्रीट ब्लूज़, अमेरिकी टेलीविजन के सबसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित शो में से एक, अपने पायलट एपिसोड, हिल स्ट्रीट स्टेशन को प्रसारित करता है।

1991 एलिजाबेथ द्वितीय, ऑस्ट्रेलिया की महारानी के रूप में, अपने स्वयं के ऑनर्स सिस्टम में अपने स्वयं के अलग विक्टोरिया क्रॉस पुरस्कार के लिए ऑस्ट्रेलिया को पहला राष्ट्रमंडल क्षेत्र बनने की अनुमति देने वाले पत्र पेटेंट पर हस्ताक्षर किए।

1993 सल्वाटोर द बीस्ट रीना, सिसिलियन माफिया के सबसे शक्तिशाली सदस्यों में से एक, तीन दशकों के बाद भगोड़े के रूप में गिरफ्तार किया गया था।

1995 दक्षिणी अलबामा और पश्चिमी वाशिंगटन क्रमश: नए क्षेत्र कोड 334 और 360 का उपयोग करना शुरू करते हैं।

1998 जॉन ग्लेन, 76 फिर से अंतरिक्ष में उड़ सकते हैं। यूएसए के नासा ने यह घोषणा की है।

2009 हडसन नदी में डूबने से सभी 155 यात्री अमेरिकी वायुमार्ग के विमान में बच गए।

2009 यूएस एयरवेज़ फ़्लाइट 1549 के बाद न्यू यॉर्क शहर से अपनी शुरुआती चढ़ाई के दौरान कनाडा के एक झुंड के झुंड को मारा, कैप्टेन चेसले सुलेनबर्गर ने हडसन नदी में आपातकालीन लैंडिंग की।

2010 उत्तरी अल्जीरिया में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा सेना के कर्नल और बेजायजा के एक सैन्य कमांडर को मार दिया गया।

2011 ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़ के कारण ग्रामीण विक्टोरिया में 13,000 डोलर की संपत्तियां नष्ट हो गईं।

2013 सीरिया की अलेप्पो यूनिवर्सिटी में रॉकेट हमले में 83 लोगों की मौत हुई और 150 लोग घायल हुए।

माटियो बेरेटिनी चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हटे

मेलबर्न। माटियो बेरेटिनी पैर की चोट के कारण अपने पहले दौर के मैच की पूर्व संध्या पर रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गए। साल 2021 के विम्बलडन उपविजेता और 2022 में मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाले बेरेटिनी को सोमवार को रोड लेवर एरिना में 2023 की उप-विजेता स्टेफानोस सितसिपास से खेलना था।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने यहां जारी बयान में कहा, 'माटियो बेरेटिनी दाहिने पैर की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गए हैं। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते है। बेरेटिनी की जगह क्वालीफाइंग के 'लकी लूजर' जिजौ बर्ग्स को मुख्य ड्रा में शामिल किया गया है जो सातवीं वरीयता प्राप्त सितसिपास के खिलाफ खेलेंगे।

शॉन मार्श ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शॉन मार्श ने रविवार को पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि बुधवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के खिलाफ मेलबर्न रेनेगेड्स का मुकाबला उनका आखिरी मैच होगा। वह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच के साथ संन्यास ले रहे हैं।

मार्श (40 वर्ष) ने रेनेगेड्स से जारी बयान में कहा, 'मुझे रेनेगेड्स के लिए खेलना पसंद है। मैं पिछले पांच वर्षों में कुछ शानदार लोगों (खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्य) से मिला हूं और जो दोस्ती मैंने बनाई है वह जीवन भर रहेगी। उन्होंने कहा, 'मैं पर्दे के पीछे रह कर काम करने वाले रेनेगेड्स के कोच और कर्मचारियों का शुक्रिया करना चाहूंगा जिनकी वजह से मेरा काम कुछ आसान हो गया। चोट के कारण मौजूदा सत्र को देर से शुरू करने वाले मार्श ने पांच मैचों में 45.25 के औसत और 138.16 के स्ट्राइक रेट से 181 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान तीन अर्धशतक भी लगाए है। मार्श 2019-20 सत्र में रेनेगेड्स में शामिल होने से पहले 2011-19 के बीच पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ एक लंबा और सफल समय बिताया था।

जोकोविच से बात करना चाहता था, लेकिन....

विराट कोहली ने अपने नए 'खास' दोस्त का किस्सा सुनाया

इंदौर। रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 के लिए भारतीय टीम में फिर से शामिल होने के बाद भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने गत ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 चैंपियन नोवाक जोकोविच के बारे में कई दिलचस्प कहानियां सुनाई हैं। दरअसल, रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने भी ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले विराट से दोस्ती का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि उनके और विराट के बीच मैसेज में बातचीत होती रहती है।

अब विराट ने भी अपने नए खास दोस्त और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी को लेकर बातचीत की है। क्रिकेट के इतिहास में सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक कोहली शनिवार को अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी20 खेलने के लिए इंदौर आने के लिए मुंबई से रवाना हुए थे। उन्हें कल मुंबई हवाई अड्डे पर पपराजी ने अपनी शानदार कार से बाहर निकलते हुए देखा स्पॉट किया था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से बात करते हुए कोहली ने जोकोविच के साथ अपनी पहली बातचीत को याद किया। कोहली के मुताबकि वह सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी के लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह पहली बार इंस्टाग्राम के माध्यम से जोकोविच से जुड़े थे। कोहली ने कहा, 'जब मैंने इंस्टाग्राम पर नोवाक जोकोविच की प्रोफाइल देखी और मैंने मैसेज बटन दबाया, तब मैंने उनका संदेश पहले से ही अपने डीएम (डायरेक्ट मैसेज) पर देखा। तब से हमने एक-दूसरे से बात करना और शुभकामनाएं भेजना शुरू कर दिया।

बल्लेबाजी आइकन ने यह भी कहा कि वह भारत में जोकोविच के साथ एक कप कॉफी पीने के लिए उत्सुक हैं। दिग्गज क्रिकेटर ने 2024 सीजन के पहले ग्रैंडस्लैम इवेंट के लिए जोकोविच को शुभकामनाएं भी दीं। जिस दिन कोहली इंदौर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी करेंगे, उसी दिन जोकोविच भी मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करेंगे।

सर्बियाई आइकन के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात करते हुए कोहली ने कहा कि जोकोविच ने पिछले साल वनडे विश्व कप में उनके रिकॉर्ड 50वें शतक पर इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई थी। कोहली ने कहा, जब मैंने 50वां वनडे शतक बनाया तो नोवाक जोकोविच ने एक स्टोरी पोस्ट की और मुझे एक खास संदेश भी भेजा था।

अश्विन टी 20 टीम में जगह बनाने का हकदार नहीं : युवराज

नई दिल्ली। 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप में भारत को जीत हासिल कराने में क्रिकेटर युवराज सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। हाल ही में युवराज ने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के वनडे और टी20 करियर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा- ऑफ स्पिनर की वनडे और टी20 टीम में जगह नहीं बनती। हालांकि विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा को लेकर उनकी राय अलग है।

युवराज सिंह ने रविचंद्रन अश्विन को लेकर कहा- अश्विन एक महान गेंदबाज हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह वनडे और टी20 में जगह के हकदार हैं। वह गेंदबाजी अच्छी करते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में क्या करते हैं? या एक फील्डर के तौर पर वह क्या करते हैं? टेस्ट टीम में बेशक उन्हें होना चाहिए, लेकिन सफेद गेंद वाले क्रिकेट में मुझे नहीं लगता कि वह जगह के हकदार हैं।

वहीं युवराज सिंह ने टी20 में विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य पर कहा- कई युवा खिलाड़ी टी20 में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

न्यूजीलैंड ने पाक को दूसरे टी20 में हराया

हैमिल्टन। फिन ऐलन की 76 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद ऐडम मिल्न के चार विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 21 रनों से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली हैं।

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों सलामी बल्लेबाज सईम अयूब एक रन और मोहम्मद रिजवान सात रन बनाकर दूसरे ही ओवर में पवेलियन लौट गए है। इसके बाद बाबर आजम और फखर जमान ने पाकिस्तान की पारी को संभाला। बाबर आजम ने सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 43 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली। आजम का सियर्स ने साउदी के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं जमान ने तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 25 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्हें मिल्स ने बोल्ड आउट किया। कप्तान शाहीन शाह अफरीदी 13 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिल्स ने साउदी के हाथो कैच आउट कराया। पाकिस्तान के आठ बल्लेबाज दहाई अंक का आकंड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 19.3 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से ऐडम मिल्न ने चार विकेट लिए। टिम साउदी,बेन सियर्स और ईश सोढ़ी ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले टॉस जीतकर पाकिस्तान ने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने फिन ऐलन के सात चौके और पांच छक्के की मदद से 41 गेंदों में 76 रन, विलियमसन के 26 रन और सैंटनर की 25 रनों की तूफानी पारी की बदौलत आठ विकेट पर 194रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ऐलन और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की।

छठें ओवर में जमाल ने डेवन कॉन्वे 20 को जमान के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उसके बाद कप्तान केन विलियमसन 26 रन बनाकर रिटायड 'हट 'हो गये। डैरिल मिचेल 17 रन, ग्लेन फिलिप्स 13रन बनाकर आउट हुये। मिचेल सैंटनर ने तीन चौके और दो छक्कों की मदद 13 गेंदों में 25 रन बनाये। वह 20वें ओवर में रन आउट हुये। टीम साउदी पांच रन बनाकर और बेन सियर्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 194 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से हारिस रउफ ने तीन विकेट लिए। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। आमेर जमाल और उसाम मीर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आस्ट्रेलिया से 0-2 से हारी भारतीय फुटबॉल टीम

अल रेयान। भारत ने शनिवार को यहां एएफसी एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरूआती ग्रुप मैच में 50वें मिनट तक पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलियाई टीम को गोल नहीं करने दिया लेकिन अंत में उसे 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। जीत की दावेदार आस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को कोई मौका नहीं दिया। लेकिन इगोर स्टिमक के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षण दिखाते हुए पहले हाफ में प्रतिद्वंद्वी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। जिससे आस्ट्रेलिया दूसरे हाफ के पांच मिनट बाद ही गोल कर सकी। अहमद बिन अली स्टेडियम में खेले गये इस मैच में आस्ट्रेलिया के लिए जैक्सन इरविन ने 50वें और जोर्डन ब्रोस ने 73वें मिनट में गोल दागा।

विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज और 2015 की विजेता आस्ट्रेलिया के लगातार हमलों से दूसरे हाफ में 102वीं रैंकिंग की भारतीय टीम का जोश जवाब दे गया। भारत का यह प्रदर्शन 2011 एशियाई कप के ग्रुप मैच में आस्ट्रेलिया से मिली 0-4 की हार से बेहतर रहा। भारतीय टीम हालांकि हार के अंतर से इतनी ज्यादा निराश नहीं होगी, बल्कि महज 2 गोल गंवाने से खुश ही होगी क्योंकि इसका उसे तब फायदा मिल सकता है जब ग्रुप से तीसरे स्थान की टीम का फैसला होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीष दो टीमें तथा छह ग्रुप से सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली चार टीम ही राउंड 16 के नॉकआउट दौर में जगह बनाएंगी।

भारत के लिए नॉकआउट में जगह बनाना भी बड़ी उपलब्धि होगी। स्टिमक ने मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को रक्षण में एकजुट होने को कहा था ताकि वे शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतरीन टीम को गोल करने से रोक सकें। पहले हाफ में भारतीय खिलाड़ी कोच की रणनीति के अनुसार चलने में सफल रहे लेकिन दूसरे हाफ में ऐसा नहीं हो सका क्योंकि आस्ट्रेलिया के पास काफी अच्छे खिलाड़ी मौजूद थे। लेकिन भारतीयों को श्रेय दिया जाना चाहिए कि वे आस्ट्रेलिया को पहले हाफ तक रोकने के बाद ज्यादा गोल से नहीं हारे।

इंदौर ग्रांड मास्टर्स शतरंज, बेलारूस के फेडोरोव नें बनाई बढ़त

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर में चल रहे इंदौर इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट के छह राउंड के बाद तीसरे वरीय बेलारूस के अनुभवी ग्रांड मास्टर अलेक्सी फेडोरोव 5.5 अंक बनाकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है । 51 वर्षीय फेडोरोव नें टूर्नामेंट के चौंथे दिन लगातार दो मुकाबलों में भारत के इंटरनेशनल मास्टर के रत्नाकरन और एजिप्त के हेशम अब्दुलरहमान को पराजित किया और एकल बढ़त कायम कर ली है , कल तक सबसे आगे चल रहे भारत के ग्रांड मास्टर दीपन चक्रवर्ती नें आज लगातार दो बाज़ियाँ पहले भारत के इनियान पी से और फिर ईरान के तहबाज अरश से ड्रॉ खेली और अब वह 5 अंको के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर है और कल उनका मुक़ाबला फेडोरोव से ही होना है । दीपन के अलावा 5 अंको पर रूस के बोरिस सावचेंकों और ईरान के तहबाज़ है और कल आपस में मुक़ाबला खेलेंगे ।

आईएसपीएल की कोर कमेटी का हिस्सा बने सचिन

मुंबई (ए)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने स्टेडियम के अंदर खेले जाने वाले देश के अग्रणी टेनिस बॉल टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट, इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) से जुड़ने का फैसला किया है। सचिन लीग की कोर कमेटी के सदस्य के रूप में नई टी10 क्रिकेट लीग के प्रारूप को सलाह देने और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आईएसपीएल का हिस्सा बनने के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए, सचिन तेंदुलकर ने कहा, आईएसपीएल में मेरी भागीदारी मेरी यात्रा को प्रतिबिंबित करती है जो मुझे मेरी जड़ों की ओर वापस ले जाती है। सही मायनो में मैने टेनिस गेंदों से ही इस खेल का परिचय हासिल किया और अपने कौशल को निखारा। मुझे यकीन है कि आईएसपीएल कई महत्वाकांक्षी क्रिकेट प्रेमियों को एक समान अवसर देगा। मैं अपने अनुभव को सामने लाने और इस प्रारूप और लीग के विकास में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। आईएसपीएल को देश के हर कोने में क्रिकेट प्रेमियों तक पहुंचने की उम्मीद है। लीग का उद्देश्य अनदेखे प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना और संभावित रूप से पेशेवर रूप से क्रिकेट खेलने का मार्ग प्रशस्त करना है। सचिन तेंदुलकर की भागीदारी के साथ, लीग भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनने की ओर अग्रसर है।

मलेशिया ओपन के फाइनल में हारी सात्विक-चिराग की जोड़ी

कुआलालम्पुर। मलयेशिया ओपन 2024 के फाइनल में भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय जोड़ी का मुकाबला चीन के वांग चांग और लियांग वेइकेंग था। खिताबी मुकाबले में भारतीय जोड़ी 21-9, 18-21, 17-21 के अंतर से हार गई। हाल ही में खेल रत्न से सम्मानित होने वाले सात्विक चिराग का सीजन के पहले टूर्नामेंट में जीत हासिल करने का सपना अधूरा रह गया।

भारतीय जोड़ी ने आसानी से पहला गेम आसानी से जीता। सात्विक-चिराग ने शुरुआत से ही मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 21-9 के अंतर से गेम अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे और तीसरे गेम में जीत हासिल कर चीनी जोड़ी ने खिताब अपने नाम किया।

दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने 8-3 से आगे थी। यहां से भारतीय जोड़ी के लिए वापसी करना मुश्किल था। हालांकि, सात्विक-चिराग ने वापसी की भरपूर कोशिश की और स्कोर 19-16 तक ले गए। अंत में चीनी जोड़ी ने गेम 21-18 के अंतर से जीत लिया और मैच को तीसरे गें तक ले गए।

तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और 6-2 की बढ़त बनाई। आधा गेम खत्म होने तक यह बढ़त 11-7 की थी। इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और स्कोर 12-12 कर दिया। चीनी जोड़ी ने शानदार खेल जारी रखा और स्कोर 21-18 तक अपने पक्ष में ले गए। अंत में वांग चांग और लियांग वेइकेंग ने गेम के साथ मैच अपने नाम किया और चैंपियन बन गए।

भारतीय जोड़ी ने दुनिया की नंबर एक कोरियाई जोड़ी सेओ सेउंग जे और कांग मिन ह्युक को सेमीफाइनल के दौरान सीधे गेम में हराया था। सात्विक-चिराग ने दूसरे गेम में पिछड़ने और आउट होने के बाद शानदार वापसी की और आठ अंकों की बढ़त के दौरान छह गेम प्वाइंट बचाए और अपने कोरियाई विरोधियों पर 21-18 22-20 से जीत दर्ज की।

सात्विक और चिराग पिछले साल सर्किट में सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण, एशियाई चैम्पियनशिप, इंडोनेशियाई सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस ओपन सुपर 300 में खिताब जीते हैं। वे पिछले साल नवंबर में चाइना मास्टर्स सुपर 750 के फाइनल में भी पहुंचे थे।

फरवरी में शुरु होगी पाक क्रिकेट लीग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का नौवां संस्करण 17 फरवरी को लाहौर में शुरू होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को देश के शीर्ष खेल आयोजन का शेड्यूल जारी करते हुए कहा कि उद्घाटन मैच मौजूदा चैंपियन लाहौर कलंदर्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच खेला जाएगा।

पीसीबी ने कहा, यह लीग कराची, लाहौर, मुल्तान और रावलपिंडी सहित चार शहरों में खेली जाएगी, छह टीमों के टूर्नामेंट का फाइनल 18 मार्च को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में होगा।पीसीबी की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने कहा, हमारा मानना है कि इन स्थानों पर मैचों की मेजबानी न केवल प्रशंसकों के लिए उत्साह बढ़ाती है बल्कि जमीनी स्तर पर क्रिकेट को भी बढ़ावा देती है। कराची 11 मैचों की मेजबानी करेगा।

लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम और रावलपिंडी का पिंडी क्रिकेट स्टेडियम प्रत्येक नौ मैचों की मेजबानी करेगा, जबकि मुल्तान पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

मानवजीत को अयोग्य घोषित करना अनुचित- एनआरएआई शीर्ष अधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने कुवैत में एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के आयोजकों द्वारा ट्रैप निशानेबाज मानवजीत सिंह को अयोग्य ठहराए जाने को 'अन्यायपूर्ण' और 'अनुचित' करार दिया है और वह इस मुद्दे को 'लॉजिकल कन्क्लूशन' तक ले जाने के लिए तैयार है। एनआरएआई ने यह भी कहा कि एशियाई निशानेबाज परिसंघ (एएससी) द्वारा पूर्व विश्व चैम्पियन को खराब बंदूक स्टॉक के कारण प्रतियोगिता से प्रतिबंधित करने के लिए नियम 'अप्रमाणित' और 'तुच्छ' थे। मानवजीत को शनिवार को टूर्नामेंट पूर्व ट्रेनिंग में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई और रविवार को प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस अनुभवी निशानेबाज ने हालांकि इसके लिए 'राजनीति' को जिम्मेदार ठहराया।

मानवजीत ने आरोप लगाया कि टूर्नामेंट निदेशक (टीडी) राजनीति कर रहे है क्योंकि वे भारत के ओलंपिक कोटा जीतने से घबराये हुए थे। एनआरएआई के सीनियर उपाध्यक्ष कलिकेश सिंहदेव ने रविवार को पीटीआई को बताया कि इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) और एएससी दोनों के समक्ष उठाया गया है। उन्होंने कहा, ''एनआरएआई इसे आईएसएसएफ और एएससी के समक्ष उठा रहा है। कल रात हमने आईएसएसएफ और एएससी में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज की थी जिसमें कहा गया था कि (टूर्नामेंट के) तकनीकी निदेशक की टिप्पणियां बेहद अनुचित और अन्यायपूर्ण हैं।

जर्मनी की इस डिफेंडर ने ओलंपिक सपना पूरा करने के लिए मेडिकल करियर से लिया 'ब्रेक'

नई दिल्ली। चिकित्सकों के परिवार से संबंध रखने वाली जर्मन महिला हॉकी टीम की डिफेंडर सेलिन ओरुज का चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाना स्वाभाविक है और उन्होंने यह पेशा भी अपनाया लेकिन ओलंपिक में दूसरी बार देश का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा के कारण उन्होंने फिलहाल इससे 'ब्रेक' लिया है। रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक जीतने वाली जर्मनी की टीम की सदस्य रही ओरुज बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में चिकित्सा करियर बना रही हैं लेकिन फिलहाल उन्होंने खेल के क्षेत्र में अपना सपना पूरा करने के लिए कुछ समय के लिए 'ब्रेक' लिया है। ओरुज की मां भी बाल रोग विशेषज्ञ हैं जबकि उनके पिता ईएनटी (कान, नाक और गला) विशेषज्ञ हैं। उनके भाई तिमुर ओरुज भी जर्मन पुरुष हॉकी टीम के सदस्य हैं। महिला ओलंपिक क्वालीफायर में जर्मनी की चिली पर 3-0 से जीत के बाद ओरुज ने पीटीआई से कहा,,''अभी मैं चिकित्सा क्षेत्र में काम कर रही हूं। यह काफी आसान है क्योंकि मैं किसी क्लीनिक में काम नहीं कर रही हूं। इसलिए मैं सप्ताहांत में काम कर सकती हूं। ओलंपिक तक मैं हॉकी पर अपना ध्यान केंद्रित करूंगी लेकिन आखिर में मुझे हॉकी को छोड़कर एक पूर्णकालिक चिकित्सक के रूप में काम करना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा,''जर्मनी में आपको चिकित्सा क्षेत्र में करियर बनाने के लिए सात साल तक पढ़ाई करनी होती है और फिर एक साल किसी अस्पताल में 'प्रैक्टिस' करनी होती है। इसके बाद आप पांच साल में विशेषज्ञ बनते हैं। मैं अभी बाल रोग विशेषज्ञ तथा बच्चों के कान, नाक और गले के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर रही हूं।

बेहतर कैरियर की उन्नति के रास्ते

सफलता का पहला और सबसे जरूरी टिप्स है अपने भीतर कॉन्फिडेंस को लाएं। जहां तक हो सके हीन भावना को अपने अंदर ना आने दें। विश्वास होने पर इंसान कठिन से कठिन काम आसान से कर सकता है। वहीं अगर आप में कॉन्फिडेंस की कमी है तो आप योग्यता होते हुए भी पीछे रह जाते हैं।

आप कितनी भी प्रतिभाशाली क्यों ना हों लेकिन यदि आप अपने को बेहतर साबित करना चाहती है तो आत्ममूल्यांकन करें। अपनी कुछ गलतियों को दूर कर कुछ गुणों को आत्मसात करना होगा। तो आइए जानते हैं कि किन रास्तों पर चलकर कैरियर बेहतर हो सकता है।

सफलता का पहला और सबसे जरूरी टिप्स है अपने भीतर कॉन्फिडेंस को लाएं। जहां तक हो सके हीन भावना को अपने अंदर ना आने दें। विश्वास होने पर इंसान कठिन से कठिन काम आसान से कर सकता है। वहीं अगर आप में कॉन्फिडेंस की कमी है तो आप योग्यता होते हुए भी पीछे रह जाते हैं। पूरे विश्वास से आप मुश्किल काम को भी आसानी से कर ने काबिलीयत रखती हैं।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि महिलाएं पुरूषों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील होती हैं। वे जरा सी बात पर दिनों-दिन अपसेट रह सकती हैं। तैश में आकर गलत फैसला ले सकती हैं या फिर गुस्से में कुछ भी बोल कर माहौल खराब कर सकती हैं। वहीं दूसरी तरफ पुरूष ना तो जल्दी तैश में आते हैं, ना ही विचलित होते हैं। अस स्वभावके कारण उन्हें प्रतिक्रिया देने में भी जल्दबाजी नहीं होती। यह महवपूर्ण गुण है इसलिए हो सके तो इस गुण को अपने अंदर लाने की कोशिश करिए कैरियर और परिवार में सफलता जरूरी मिलगी।

काम और जिम्मेदारी को तनावपूर्ण ढंग से लेने की आदत गलत है। इसका सीधा असर आपके काम के साथ आपके पूरे व्यक्तित्व पर प्रभाव करता है। इसलिए काम के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें ना कि उसे बोझ समझ कर खुद भी टैंशन में रहते हैं और आसपास के माहौल को तनाव से भर देते हैं। इसलिए तनाव में रहकर किए गए काम काम कभी भी ठीक से परिणाम नहीं देंगे।

सफलता का एक और राज है कि आप थोडी सी व्यावसायिक हो जाएं। तभी आप एकाग्रचित होकर अपना काम कर पाएंगी। जब ऑफिस में हों तब वहीं की होकर हरें और जब घर में हो तो ऑफिस की चिंता भूल घर को समर्पित रहें। ऐसा करके देखिए इसमें आपको संतुष्टि और फायदा दोनों मिलेंगे। साथ ही ऑफिस के सम्बन्धों को भी व्यक्तिगत सम्बन्धों से दूर रखें।

सृजनशील लोगों के लिए कला के क्षेत्र में उभरते अवसर

फाइन आर्ट पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को किसी भी विषय में बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसमें जन्मजात कलात्मक प्रतिभा होती है वह अच्छी डिजाइन के जरिए खूब नाम और पैसा कमा सकते हैं। यदि आप एप्लाइड आर्ट या कमर्शियल आर्ट के जानकार हैं तो आप टैक्सटाइल ग्राफिक, सेरामिक एक्सीबिशन और प्रोडक्ट के क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

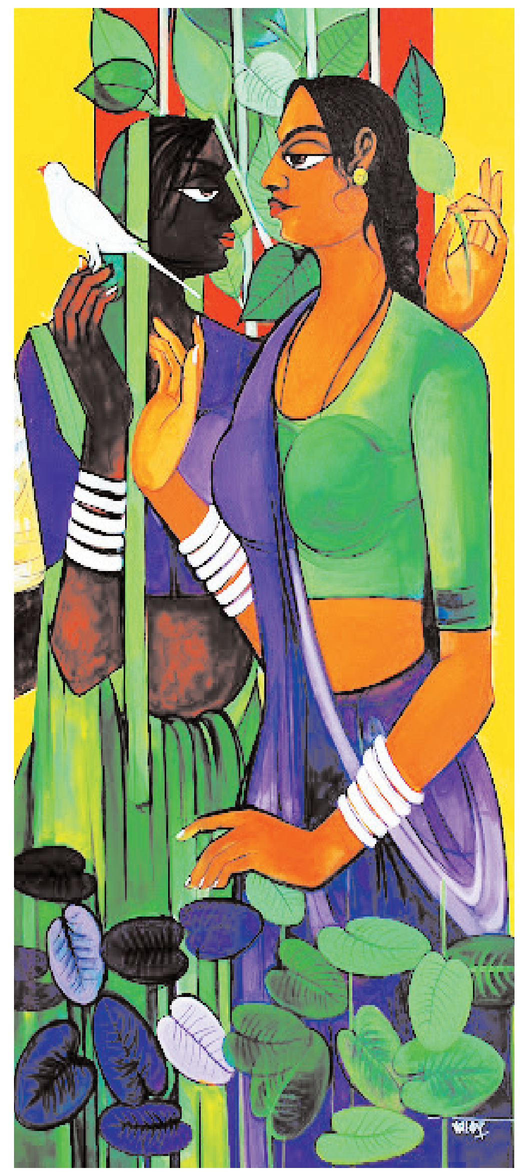

कहते हैं कि हर इंसान में एक कलाकार छिपा होता है। जिसे उभार कर वह सफलता की बुलंदियों को छू सकता है। खासकर कला और सृजनशीलता से भरे क्षेत्र में इसका भरपूर इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप को कला और सृजनशीलता से लगाव है तो आप अपने अंदर छिपी इस प्रतिभा को कॅरियर का रूप दे सकते हैं। जी हां हम बात कर रहे हैं फाइन आर्ट कला सृजन की।

आज कम्प्यूटर की उपयोगिता जैसे-जैसे आर्ट कला सृजन में बढ़ती जा रही है। वैसे ही फाइन आर्ट और कमर्शियल आर्ट के विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ती जा रही है। अगर आप सृजनशील हैं और कला से लगाव है तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप न सिर्फ दौलत बल्कि शोहरत भी कमा सकते हैं।

फाइन आर्ट पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को किसी भी विषय में बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसमें जन्मजात कलात्मक प्रतिभा होती है वह अच्छी डिजाइन के जरिए खूब नाम और पैसा कमा सकते हैं। यदि आप एप्लाइड आर्ट या कमर्शियल आर्ट के जानकार हैं तो आप

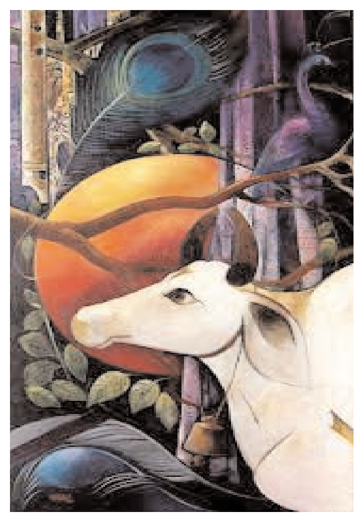

टैक्सटाइल ग्राफिक, सेरामिक एक्सीबिशन और प्रोडक्ट के क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

जहां तक इस क्षेत्र में रोजगार मिलने का सवाल है तो फाइन आर्ट और कमर्शियल आर्ट दोनों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। फाइन आर्ट के विशेषज्ञों की मांग स्कूल, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हमेशा बनी रहती है। कमर्शियल आर्ट के जानकारों की फिल्म स्टूडियो, एक्सीबिशन हाउस, पब्लिशिंग हाउस, मल्टीमीडिया स्टूडियो, कारपोरेट वेबसाइट और विज्ञापन एजेंसियों में हमेशा मांग बनी रहती है।

फाइन आर्ट और कमर्शियल आर्ट से संबंधित संस्थान निम्नलिखित हैं-

- जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली।
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, दिल्ली।
- फैक्ल्टी ऑफ विजुअल आर्ट, कोलकाता।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एडं क्राफ्ट, कोलकाता।
- फैक्ल्टी ऑफ विजुअल आर्ट बीएचयू, वाराणसी।

मल्टीमीडिया का भविष्य और कैरियर

आजकल जब भी कोई इवेंट या कार्य जैसे वर्कशॉप, बातचीत, फंक्शन इत्यादि होता है तो उन्हें व्यवस्थित करने हेतु मल्टीमीडिया टूल्स तथा एप्लीकेशन को शामिल किया जाता है। फ्लैश एनीमेशन प्रेजेंटेशन का उपयोग बातचीत को आसान बनाने के लिए किया जाता है। ष्ब्ड्डह्यश्ब्ह्ल में लोगो को आकर्षित तथा मनमोहक वातावरण प्रदान करने के लिए मल्टीमीडिया लाइट का उपयोग किया जाता है।

मल्टीमीडिया बहुत सारे क्षेत्रों विशेषकर मार्केटिंग, शिक्षा, कम्युनिकेशन, बिजनेस, मनोरंजन, चिकित्सा इत्यादि के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आजकल जब भी कोई इवेंट या कार्य जैसे वर्कशॉप, बातचीत, फंक्शन इत्यादि होता है तो उन्हें व्यवस्थित करने हेतु मल्टीमीडिया टूल्स तथा एप्लीकेशन को शामिल किया जाता है। फ्लैश एनीमेशन प्रेजेंटेशन का उपयोग बातचीत को आसान बनाने के लिए किया जाता है। ष्ब्ड्डह्यश्ब्ह्ल में लोगो को आकर्षित तथा मनमोहक वातावरण प्रदान करने के लिए मल्टीमीडिया लाइट का उपयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को किसी एक विशिष्ट विषय के बारे में जानकारी देने हेतु ग्राफिक इलस्ट्रेशन का उपयोग किया जाता है अर्थात हर क्षेत्र में मल्टीमीडिया ने अपनी जड़े जमा ली हैं अत: भविष्य में भी इसका महत्वपूर्ण प्रभाव होने वाला है। मल्टीमीडिया अपने अनुप्रयोगों की सहायता से प्रयोगकर्ता का जीवन सुधार सकता है। सबसे महत्वपूर्ण तो आजकल की जीवनशैली है आप बिना घूमे संसार के बारे में सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह यूजर के लिए मनोरंजन का साधन भी है उदाहरण के लिए मोबाइल पहले मोबाइल केवल बातचीत करने के काम आता था लेकिन आज के समय में यह पर्सनल असिस्टेंट टूल की तरह कार्य करता है मोबाइल फोन के कई फंक्शंस मल्टीमीडिया एप्लीकेशन हैं ऑनलाइन गेम खेल सकते हैं, गाने सुन सकते हैं, मूवीस देख सकते हैं, इंटरनेट का उपयोग, 4त्र कॉल, फोटो लेना आदि मल्टीमीडिया का ही योगदान है। भविष्य में मल्टीमीडिया हर क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखता है।

मल्टीमीडिया प्रोडक्शन में कैरियर

मल्टीमीडिया विशेषज्ञ उन कंपनियों में कार्य करते हैं जो वर्ल्ड वाइड वेब, सीडी रोम, डीवीडी मोशन पिक्चर, इंडस्ट्री, कायोस्क तथा कंप्यूटर पर आधारित मल्टीमीडिया बनाते हैं। मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट के अंतर्गत बिजनेस, मार्केटिंग, शिक्षा, ट्रेनिंग, प्रेजेंटेशन तथा मनोरंजन से संबंधित एप्लीकेशन आती है। मल्टीमीडिया से संबंधित रोजगार वेब डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन, टेलिविजन, एजुकेशन, ट्रेंनिंग तथा मार्केटिंग में है। मल्टीमीडिया में आप निम्न जॉब प्राप्त कर सकते हैं।

मल्टीमीडिया एसोसिएट प्रोड्यूसर

वेब डिजाइनर
वेब कंटेंट क्रिएशन स्पेशलिस्ट
मल्टीमीडिया प्रोग्रामर ऑथरिंग स्पेशलिस्ट
मल्टीमीडिया ग्राफिक प्रोडक्शन आर्टिक
डिजिटल वीडियो स्पेशलिस्ट
मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट मैनेजर

कैरियर परामर्श में मास्टर

रोजगार संस्थानों में कैरियर सलाहकारों के लिए सामान्य कौशल और क्षमताओं का अधिग्रहण किया जाता है, परामर्श क्षेत्र की जांच में प्रथाएं और परामर्श प्रक्रिया का अवलोकन किया जाता है। 2 साल के कैरियर परामर्श, परामर्श और परामर्श अनुसंधान के दो प्रथाओं में इन कौशल के आवेदन में विशिष्ट और आम व्यावसायिक कौशल पर केंद्रित है।

इस कैरियर परामर्श कार्यक्रम शिक्षा और रोजगार के एक बहुसांस्कृतिक वातावरण में कैरियर के विकास के कैरियर परामर्श और प्रबंधन में ज्ञान के साथ छात्रों को प्रदान करता है।

सीखने के मकसद

कैरियर विकास, परामर्श और संचार सिद्धांतों, करियर सेवा प्रबंधन और संगठनों में कैरियर के विकास के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान; परामर्श संचार में पेशेवर नैतिकता की समझ, रोजगार और नौकरी खोज, सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक पहलुओं के बारे में नवीनतम रुझानों; परामर्श प्रक्रिया के संचार के कौशल के साथ-साथ कैरियर परामर्श और अनुसंधान कौशल में आईटी के कौशल को विकसित और मजबूत करने का अवसर, जहां अनुसंधान विधियों को लागू किया जाता है; अवसर अनुसंधान गतिविधियों में रुचि जगाने के लिए और शोध के परिणामों की प्रस्तुति में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया है।

सीसी

पूर्णकालिक डिग्री कार्यक्रम 2 अकादमिक वर्ष शामिल हैं। 1 वर्ष में, विभिन्न प्रकार के शैक्षिक और रोजगार संस्थानों में कैरियर सलाहकारों के लिए सामान्य कौशल और क्षमताओं का अधिग्रहण किया जाता है, परामर्श क्षेत्र की जांच में प्रथाएं और परामर्श प्रक्रिया का अवलोकन किया जाता है। 2 साल के कैरियर परामर्श, परामर्श और परामर्श अनुसंधान के दो प्रथाओं में इन कौशल के आवेदन में विशिष्ट और आम व्यावसायिक कौशल पर केंद्रित है। अध्ययन कार्यक्रम के एक स्वामी थीसिस की रक्षा के साथ पूरा हो गया है। यह अध्ययन अनुभवी ज्ञानवान और उत्तरदायी शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा प्रदान किए गए गतिशील और अभिनव ज्ञान के साथ-साथ एक खुले और अनुकूल अध्ययन वातावरण पर आधारित है। कार्यक्रम आपको व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है कि कैसे शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों की कैरियर परामर्श प्रक्रिया को व्यवस्थित और प्रबंधित किया जाए।

प्रवेश आवश्यकताएँ

शिक्षाशास्त्र में बैचलर की शिक्षा विज्ञान की डिग्री या मनोविज्ञान में मनोविज्ञानी या मनोचिकित्सक की योग्यता या पूर्ण द्वितीय स्तर के पेशेवर उच्च शिक्षा वाले शिक्षक और शिक्षक की योग्यता वाले स्नातक की डिग्री के साथ आवेदक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए मंजूरी दे दी जाती है। आवेदकों (आईईएलटीएस स्कोर 6.0, टीओईएफएल 54।, टीओईएफएल आई बी टी-स्कोर ।6 अंक) अच्छी अंग्रेजी ज्ञान पेश करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

कैरियर की संभावनाओं और आगे की पढ़ाई

शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर परामर्श संस्थानों, प्रौढ़ शिक्षा, कैरियर और परामर्श केंद्रों, सरकारी संस्थानों में शैक्षिक और नेतृत्व की स्थिति। छात्रों को भी लातविया या विदेश के विश्वविद्यालयों में एक संबंधित डॉक्टरेट अध्ययन कार्यक्रम में पढ़ाई जारी रखने के लिए चुन सकते हैं।

पाठ्यचर्या

कैरियर के विकास के सिद्धांत
काउंसिलिंग में संचार सिद्धांतों
कैरियर सेवा प्रबंधन
काउंसिलिंग फील्ड्स की जांच (अभ्यास)
मानव जीवन चक्र
रोजगार और नौकरी खोज रहा
रोजगार और रोजगार द्वितीय सर्च कर रहे हैं
सामाजिक समावेश और बहुसंस्कृतिवाद
संगठनात्मक संस्कृति
कैरियर समर्थन प्रणाली में कानून
कैरियर काउंसलर की व्यावसायिक नीतिशास्त्र
काउंसिलिंग के अवलोकन (अभ्यास)
सिद्धांत और कैरियर काउंसिलिंग मैं की क्रियाविधि
सिद्धांत और कैरियर काउंसिलिंग द्वितीय की क्रियाविधि
आईटी कैरियर काउंसिलिंग में परामर्श (अभ्यास)

[भविष्यफल]

मेष
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले छात्रों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर में अपने कार्य के प्रति बहुत अधिक उत्साहित रहे.

वृष
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो जो जातक नौकरी के लिए परेशान चल रहे थे उन्हें जल्द ही राहत मिल सकती है.

मिथुन
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर में अपने सहकर्मियों से सहयोगात्मक व्यवहार करें.

कर्क
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो डिफेंस सेक्टर में नौकरी करने वाले जातकों के लिए कल का दिन अच्छा रहेगा.

सिंह
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आप अपने ऑफिस के नियमों का पालन बहुत ही सावधानी से करें.

कन्या
नौकरी करने वालों को कल कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, मजबूती से सभी का मुकाबला करें.

तुला
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल हम अपने कार्यक्षेत्र अपनी टीम को एक साथ करके काम करने का प्रयास

वृश्चिक
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो ऑफिस में आप अपने सहकर्मियों के साथ छोटी -छोटी बातों पर किसी प्रकार का कोई विवाद ना

धनु
आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है और आप बहुत अधिक परेशान भी हो सकते हैं. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें.

मकर
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने ऑफिस के कार्य के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता

कुंभ
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके दफ्तर मे कार्य करने के लिए आपको अपने परिवार के जैसा वातावरण

मीन
कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जूते की बात करें तो कल आपको अपने कार्य क्षेत्र में लाभ प्राप्त करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ सकता है.

अमेरिका की सरकारी खरीद में भारतीय कंपनियों को मौका देने की मांग

वाशिंगटन। भारत ने अपनी घरेलू कंपनियों को अमेरिकी सरकार के स्तर पर होने वाली खरीद प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दिए जाने की मांग की है जो निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमेरिका की सरकारी खरीद प्रक्रिया में भारतीय कंपनियों को शामिल होने की मंजूरी देने का मुद्दा भारत ने अमेरिका के समक्ष उठाया है। इसके लिए भारत ने अमेरिका से व्यापार समझौता अधिनियम (टीएए) का अनुपालन करने वाले देश के रूप में नामित करने का अनुरोध किया है। शुक्रवार को यहां भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की 14वीं बैठक के दौरान यह मुद्दा चर्चा में आया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन तेई और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।

अधिकारी के मुताबिक, टीपीएफ बैठक में अमेरिका के जीएसपी (वरीयताओं की सामान्यीकृत प्रणाली) कार्यक्रम के तहत कुछ भारतीय वस्तुओं के लिए निर्यात लाभों की प्रस्तावित बहाली पर अच्छी प्रगति हुई। इसके अलावा भारत को टीएए-अनुपालक देश नामित करने पर औपचारिक चर्चा की शुरुआत और वीजा के लिए संधि का दर्जा देने के मुद्दे पर भी प्रगति देखी गई। अधिकारी ने कहा, यदि आप व्यापार समझौता अधिनियम का हिस्सा हैं तो आप अमेरिका की सरकारी खरीद प्रणाली में भाग लेने के लिए पात्र हैं। हमने इस पर चर्चा शुरू कर दी है। अमेरिका में सार्वजनिक खरीद काफी बड़े पैमाने पर होती है। हम उस सार्वजनिक खरीद प्रणाली का हिस्सा बनना चाहते हैं। यदि भारत को टीएए-अनुपालक देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो यह उसे अमेरिकी सार्वजनिक खरीद में माल की आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगा। अधिकारी ने कहा, इससे हमारे निर्यात को सहूलियत मिलेगी और उसमें बढ़ोतरी होगी। हालांकि यह एक द्विपक्षीय व्यवस्था होगी और भारत को भी सार्वजनिक खरीद में अमेरिकी कंपनियों को पहुंच देनी होगी। इस पर अधिकारी ने कहा, यह पारस्परिक है। भारत को भी अमेरिका को रियायत देनी होगी। हम ब्रिटेन के साथ भी ऐसा कर रहे हैं। हमने अमेरिकी पक्ष से संदर्भ शर्तें तैयार करने के लिए कहा है। वे हमारी खरीद प्रणाली का भी मूल्यांकन करेंगे। हालांकि भारत उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत अपने क्षेत्रों एवं एमएसएमई इकाइयों को इन खरीद प्रणालियों से संरक्षण देगा। एक अन्य अधिकारी ने जीएसपी की बहाली पर कहा कि अमेरिकी पक्ष बहुत ही सकारात्मक रहा है और उन्हें इसके लिए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के पास जाना होगा। अधिकारी ने कहा, अमेरिकी कांग्रेस यह तय करेगी कि वे किन शर्तों पर इसे पारित करेंगे। इसलिए, मुझे लगता है कि वे इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं। जीएसपी कार्यक्रम के तहत पात्र विकासशील देशों को अमेरिका में शुल्क-मुक्त सामान निर्यात की अनुमति मिलती है। भारत चाहता है कि अमेरिकी जीएसपी कार्यक्रम के तहत उसकी लाभार्थी स्थिति बहाल हो।

जब टिकट के दाम बढ़ते हैं, तो लोग शिकायत करते हैं, लेकिन जब दाम घटते हैं, तो कोई इसकी सराहना नहीं करते

मुंबई। विस्तारा के प्रमुख विनोद कन्नन ने कहा है कि हवाई किराया काफी हद तक आपूर्ति और मांग पर निर्भर करता है। पूर्ण सेवाएं प्रदान करने वाली एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कन्नन ने उम्मीद जताई कि विमान टिकट के दाम ऐसे 'अनुकूल स्तर' पर आ जाएंगे, जहां लोग यात्रा करेंगे और एयरलाइंस कमाई करेंगी। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का संयुक्त उद्यम विस्तारा अभी प्रतिदिन लगभग 320 उड़ानों का परिचालन करती है। हवाई टिकटों की कीमतें अधिक होने की कुछ हलकों की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जब टिकट के दाम बढ़ते हैं, तो लोग शिकायत करते हैं, लेकिन जब दाम घटते हैं, तो कोई इसकी सराहना नहीं करता। उन्होंने कहा, ''साल में कई बार किसी विशेष सीजन में दाम चढ़ते हैं। 2023 में हमारा किराया तो 2022 से भी कम था।'' कन्नन ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ उपाय किए गए हैं कि हवाई किराया 'अतार्किक' नहीं हो। खासकर प्राकृतिक आपदा या कुछ विशेष घटना होने पर।'' उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थितियों में हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह कीमत बढ़ाने का अवसर नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''यदि आप सालाना आधार पर देखें, तो पिछले 20 साल के दौरान दिल्ली से मुंबई के किराये में बदलाव नहीं आया है। यदि आप एक व्यक्ति द्वारा भुगतान किए गए औसत किराये को देखें 2000 के दशक की शुरुआत में और आज में बहुत अंतर नहीं पाएंगे। हालांकि, इस दौरान लागत काफी बढ़ी है।'' उन्होंने कहा कि इसकी एक वजह क्षमता बढ़ोतरी, किफायती एयरलाइंस की संख्या में वृद्धि और कई अन्य बाते हैं। उन्होंने कहा, ''मूल्य निर्धारण... आपूर्ति और मांग का एक कार्य है। हम उम्मीद करते हैं कि टिकट का दाम ऐसे अनुकूल स्तर पर आएगा जहां लोग यात्रा करेंगे और एयरलाइंस पैसा कमाएंगी।''

बायो फर्टिलाइजर को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन की मांग

नई दिल्ली। उद्योग निकाय भारतीय बायोगैस एसोसिएशन ने 1.4 लाख करोड़ रुपये के समर्पित 'बायोगैस-उर्वरक कोष' सहित कई प्रोत्साहनों की मांग की है। इसका उद्देश्य बेहतर मिट्टी और मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसमें कहा गया है कि बायो-सीएनजी/सीबीजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस/बायोगैस) उद्योग की वृद्धि में तेजी लाने का रास्ता जैव-उर्वरक समर्थक नीतियां तैयार करने में है। इसके अनुसार, इसमें किण्वित जैविक खाद पर ध्यान देने के साथ अनुकूल नियम, कर छूट, वित्तीय प्रोत्साहन और सुलभ ऋण विकल्प शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी। इसी महीने वित्त मंत्रालय को सौंपे गए बजट पूर्व ज्ञापन में आईबीए ने पांच साल के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये के समर्पित कोष के साथ एक नया 'पर्यावरण अनुकूल बायोगैस संयंत्र उर्वरक-आधारित खेती कार्यक्रम' स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

आईबीए ने कहा कि जैविक खाद के लिए नीति जैसी एसएटीएटी (किफायती परिवहन योजना की ओर पर्यावरण अनुकूल विकल्प) पर आधारित इस सर्वव्यापी पहल का उद्देश्य बेहतर मृदा और मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक उर्वरकों को सुरक्षित करना है। आईबीए ने एफआरपी (उचित लाभकारी मूल्य) पर बायोमास की खरीद के लिए संबंधित मंत्रालय द्वारा एक रूपरेखा को परिभाषित करने का सुझाव दिया है।

नई गाइडलाइंस, छात्रों को मिलेगा एकेडमिक क्रेडिट, बीमा और स्टाइपेंड

नई दिल्ली। यूजीसी ने नए साल में रिसर्च इंटर्नशिप को लेकर विशेष गाइडलाइन तैयार की है, जिसे देशभर के विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ शेयर किया जा रहा है. रिसर्च इंटर्नशिप का सीधा लाभ छात्रों को मिलेगा. ग्रेजुएशन कर रहे छात्र जिन कंपनियों में इंटर्नशिप करेंगे, वहां से उन्हें एक निश्चित स्टाइपेंड दी जाएगी. इसके अलावा, उनके लिए बीमा का प्रावधान भी किया जाएगा. यूजीसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, रिसर्च इंटर्नशिप के लिए उच्च शिक्षण संस्थाओं को अपने यहां नोडल अधिकारी तैनात करना होगा. यह संस्थान रिसर्च इंटर्नशिप के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ समझौते कर सकेंगे. 4 वर्षीय अंडर ग्रेजुएट (एफवाईयूपी) प्रोग्राम के तहत चौथे वर्ष में रिसर्च की व्यवस्था की गई है. यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार, उच्च शिक्षा संस्थान प्रत्येक योग्य छात्र के लिए इंटर्नशिप सुपरवाइजर बनाएंगे. यह सुपरवाइजर निर्धारित अवधि के इंटर्नशिप प्रोजेक्ट को पूरा करने में छात्रों के मददगार होंगे. **सभी शैक्षणिक संस्थानों से लष्ट ने मांगी राय–** इसके अलावा, उच्च शिक्षण संस्थान ग्रुप इंटर्नशिप की संभावनाएं भी तलाश सकते हैं. गाइडलाइंस के इस ड्राफ्ट पर यूजीसी अपने सभी स्टेक होल्डर्स से सुझाव भी मांगे थे. उच्च शिक्षा से जुड़े देश भर के सभी शैक्षणिक संस्थान और अन्य स्टेकहोल्डर यूजीसी को ईमेल से अपने सुझाव भेज सकते थे. यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर एम जगदीश कुमार के मुताबिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार यूजीसी ने अंडर ग्रेजुएट स्तर पर क्रेडिट फ्रेमवर्क लागू किया है. छात्रों की इम्प्लॉएबिलीट बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है. इसी कड़ी में आयोग ने इंटर्नशिप को लेकर गाइडलाइन तैयार की है. यूजीसी का कहना है कि रिसर्च इंटर्नशिप निर्धारित करने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थाओं द्वारा लोकल मार्केट की जरूरतों को लेकर सर्वेक्षण किया जाएगा. इसी सर्वेक्षण और संचालित किए जा रहे कोर्सेस के आधार पर संस्थान द्वारा इंटर्नशिप प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे. इन इंटर्नशिप प्रोजेक्ट और उनके लिए बनाए गए मेंटॉर्स की जानकारी संस्थानों को अपने पोर्टल पर प्रकाशित करनी होगी. यूजीसी का मानना है कि विश्वविद्यालय के स्तर पर ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट को भी बढ़ावा मिलना चाहिए. यूनिवर्सिटी कॉलेज में स्टूडेंट करियर काउंसलिंग सेल होने चाहिए. करियर काउंसलिंग सेल में न केवल यूनिवर्सिटी बल्कि इंडस्ट्री के प्रतिनिधि भी शामिल होने चाहिए.प्रोफेशनल और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को लागू करने के लिए भी उद्योगों से जुड़े प्रोफेशनल की मदद ली जा रही है.

तिमाही नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। अमेरिका में जारी होने वाले महंगाई के आंकड़ों के इंतजार में विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समूह में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह आधे प्रतिशत से अधिक मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के आने वाले नतीजों का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 542.3 अंक अर्थात 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 72568.45 अंक हो गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 183.75 अंक यानी 0.85 प्रतिशत उछलकर 21894.55 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज और मझौली कंपनियों से अधिक छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई। इससे मिडकैप 168.88 अंक अर्थात 0.45 प्रतिशत चढ़कर सप्ताहांत पर 37875.43 अंक और स्मॉलकैप 684.31 अंक यानी 1.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर 44503.70 अंक रहा। विश्लेषकों के अनुसार, आईटी सेक्टर की तीसरी तिमाही के उम्मीद से बेहतर नतीजों के साथ-साथ वित्त वर्ष 2025 में बीएफएसआई के लिए बेहतर आउटलुक के कारण आईटी सेक्टर में रिकवरी के हरे संकेत ने बीते सप्ताह घरेलू बाजार की भावनाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। अमेरिका में उम्मीद के अनुरूप महंगाई बढ़ने और रोजगार के मजबूत आंकड़ों को देखते हुए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती की उम्मीद धूमिल हुई है। इससे वैश्विक बाजार की धारणा कमजोर हुई। दूसरी ओर, लाल सागर क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ने के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

घरेलू स्तर पर दिसंबर में महंगाई अनुमान से थोड़ा कम जबकि औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में उम्मीद से अधिक गिरावट देखी गई। अगले सप्ताह निवेशकों की नजर कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त हुई तीसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। कंपनियों की आय में बढ़ोतरी का समग्र पूर्वानुमान सकारात्मक बना हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.9 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 05 जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात सप्ताह के बाद 5.9 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 2.8 अरब डॉलर चढ़कर 623.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 05 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.96 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 546.7 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 83.9 करोड़ डॉलर कम होकर 47.5 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरोण अधिकार में 6.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.6 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 4.9 अरब डॉलर पर आ गई।

डब्ल्यूईएफ बैठक में ईरानी, वैष्णव पुरी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। जलवायु से लेकर संघर्ष और फर्जी खबरों तक के संकट के जवाब तलाशते हुए भारत सहित दुनियाभर के 2,800 से अधिक नेता वार्षिक पांच दिवसीय 'टॉकथॉन' के लिए दावोस में इकट्ठा होना शुरू हो गए हैं। यहां सोमवार से शुरू होने वाली 54वीं विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में 60 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष तथा शासनाध्यक्ष शामिल होंगे। भारत की ओर से तीन केंद्रीय मंत्री, तीन मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और 100 से अधिक मुख्य कार्यपालक अधिकारी इसमें शिरकत करेंगे। डब्ल्यूईएफ बैठक की औपचारिक शुरुआत से एक दिन पहले यूक्रेन के लिए शांति योजना पर चर्चा करने के लिए दावोस पहली बार 90 देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की मेजबानी कर रहा है। यह डब्ल्यूईएफ सत्र में भी इज़राइल के साथ-साथ चर्चा का एक प्रमुख बिंदु होगा। विश्व आर्थिक मंच पांच दशक से अधिक समय से दावोस में इस बैठक की मेजबानी कर रहा है। कई मौकों पर यहां प्रमुख चिंताओं के लिए सकारात्मक परिणाम निकाले गए हैं। मंच खुद को दुनिया की स्थिति में सुधार के लिए प्रतिबद्ध सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में पेश करता है। बैठक से पहले ऑनलाइन आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने कहा कि यह बैठक बेहद जटिल और सबसे चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक परिदृश्य में होगी। इस साल 15 से 19 जनवरी तक आयोजित वार्षिक बैठक का विषय 'रीबिल्डिंग ट्रस्ट' (फिर से भरोसा कायम करना) है। इसमें भारत के करीब 100 राजनीतिक तथा व्यापारिक दिग्गज भी शामिल होंगे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में तीन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, अश्विनी वैष्णव और हरदीप सिंह पुरी के साथ-साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया शामिल होंगे। भारत को आठ प्रतिशत से अधिक लष्ठक्क वृद्धि वाला प्रमुख देश बताते हुए ब्रेंडे ने कहा कि चुनावी मौसम के बीच होने के बावजूद देश के कई मंत्री बैठक में हिस्सा लेंगे।

सोना तथा चांदी में घटबढ़

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 550 रुपये मजबूत रहा। चांदी में 300 रुपये की तेजी हुई। कारोबार की शुरुआत में सोना 63100 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 63650 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 73000 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 73300 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 63650 नीचे में 63000 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 73300 तथा नीचे 72900 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 2049 डॉलर तथा चांदी 2315 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

सोयाबीन रिफाइंड पाम तेल में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में पूछपरख से सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल के भाव ऊंचे बोले गए। आवक कमी से तिलहनों में भाव ऊपर नीचे हुए। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1590 से 1610 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1580 से 1600 रुपये प्रति 10 किलोग्राम होकर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 890 से 895 रुपये पर खुलकर 915 से 920 रुपये बिका। पाम तेल 870 से 875 रुपये खुलकर 880 से 885 होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव तेजी लिए बताए गए। सरसों महंगा बिका। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली? रही। इससे कीमत बढ़ी रही।

चना कांटा में तेजी दालों में मिश्रित रंगत

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन कामकाज मजबूती लिए रहा। मांग से चना कांटा के भाव ऊंचे बोले गए। तुअर, मूंग तथा उड़द के भाव एक सा स्तर लिए रहे। दालों के भाव ऊपर नीचे हुए। चावल में उठाव सुधार लिए बताया गया। सप्ताहांत चना कांटा 5750 से 5800 रुपये खुलने के बाद 5850 से 5875 रुपये होकर थमा। मूंग 8500 से 9600 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7000 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 8500 से 9600 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 8300 से 9700 रुपये, उड़द 8200 से 8700, मसूर 6100 से 6125 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद इसी स्तर पर बंद हुई। दालें मांग से ऊपर नीचे हुई। सप्ताहांत चना, तुअर, मूंग, उड़द दाल के भाव मिश्रित रंगत लिए रहे। रवा, मैदा, गेहूं का आटा में लिवाली रही। चना बेसन सस्ता बिका। चावल में ग्राहकी सुधार लिए रही।

शक्कर में मांग घटी, खोपरा गोला, हल्दी में उठाव

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर? मांग घटने से सस्ती बिकी। खोपरा? गोला तथा हल्दी में उठाव सुधार लिए रहा जिससे भाव मजबूत रहे। खोपरा बूरा एवं साबूदाना में पूछपरख बताई गई। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को? शक्कर 3960 से 3980 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3940 से? 3960 रुपये के स्तर पर थमी। शक्कर की दैनिक आवक 03 से 04 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 95 से 125 रुपये खुलकर इसी स्तर पर थमा। हल्दी में पूछपरख सुधार लिए बताई गई। इसमें 140 से 270 रुपये की रंगत पर सौदे हुए। खोपरा बूरा के दामों में मजबूती दर्ज की गई। सप्ताहांतखोपरा बूरा में कामकाज 2350 से 4000 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद इसी स्तर पर जमा। साबूदाना में लिवाली घटी हुई बताई? ग?ई इससे? भाव नीचे रहे।

सबसे कम दाम पर सामान ज्यादा मुनाफा कमा रही डी मार्ट

नई दिल्ली। रिटेल स्टोर डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़कर 690.41 करोड़ रुपये हो गया है. राधाकिशन दमानी की ये कंपनी देश के कई शहरों में अपने डी-मार्ट स्टोर चलाती है. इस स्टोर की सबसे खास बात ये है कि यहां पर सबसे कम दाम पर सामान मिलता है. इन स्टोर्स में भले ही बहुत ही ज्यादा कम दाम पर सामान मिलता है, लेकिन राधाकिशन दमानी की ये कंपनी हमेशा मुनाफा कमाती है. अब सवाल ये उठता है कि आखिर उनके स्टोर डी-मार्ट का बिजनेस मॉडल क्या है, जिसकी वजह से वह इतने कम दाम पर सामान बेचकर भी मुनाफा कमा रहा है.

डी-मार्ट बिजनेस मॉडल- एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के रिटेल स्टोर डी-मार्ट का बिजनेस मॉडल बाकी कंपनियों से काफी अलग है. आइए जानत हैं उन 5 खास बातों के बारे में, जिनके चलते राधाकिशन दमानी के ये स्टोर हर साल मुनाफा कमाते जा रहे हैं.

स्लॉट/स्पेस फीस- किसी भी बड़े स्टोर में बहुत सारी कंपनियों के प्रोडक्ट होते हैं. जब भी आप किसी बड़े स्टोर में घुसते हैं, तो आपको वहां सबसे पहले जिन कंपनियों के प्रोडक्ट दिखते हैं, उसे प्रीमियम स्पेस कहा जाता है. इस प्रीमियम स्पेस में अपना सामान रखने के लिए तमाम कंपनियां पैसे देती हैं. यहां से डी-मार्ट को पहला रेवेन्यू आता है.

रेंट नहीं चुकाते- जहां एक ओर तमाम मॉल्स और अन्य जगहों पर अपने स्टोर के लिए कंपनियों को रेंट चुकाना पड़ता है, वहीं डी-मार्ट का बिजनेस मॉडल बिल्कुल अलग है. आपने एक बात गौर की होगी कि डी-मार्ट के स्टोर शहर से थोड़ा दूर होते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि डी-मार्ट जिस जगह पर अपना स्टोर खोलता है, उस जगह को खरीद लेता है और रेंट के पैसे बचाता है. बता दें कि रेंट की कॉस्ट कुल लागत में 5-10 फीसदी रहती है, जिसका डी-मार्ट को फायदा मिलता है. वहीं जगह की कीमत साल दर साल बढ़ती जाती है, तो अगर भविष्य में वह जगह बेचनी भी पड़े तो तगड़ा रिटर्न मिलता है.

पॉर्किंग की व्यवस्था नहीं- अगर आप कभी डी-मार्ट के स्टोर गए हों, तो वहां आपकी पहली शिकायत यही रही होगी कि पार्किंग की अच्छी व्यवस्था नहीं है. दरअसल, कंपनी जानबूझकर पार्किंग पर पैसे खर्च नहीं करती है, क्योंकि फिर वह भी लागत में जुड़ने लगेगा, जिससे प्रॉफिटेबिलिटी का संकट हो सकता है. वैसे भी, डी-मार्ट अपने स्टोर शहर से दूर खोलता है तो वहां पर भीड़-भाड़ ना होने की वजह से गाड़ी खड़ी करने की कहीं ना कहीं जगह मिल ही जाती है.

इंटीरियर पर खर्चा नहीं- डी-मार्ट स्टोर में घुसते ही आपको भी शायद यह महसूस हुआ हो कि वहां जगह काफी कम है. वहां पर आपको लिफ्ट के आस-पास भी सामान दिखेंगे. पूरे फ्लोर पर खूब सारा सामान दिखेगा, जिसके बीच में चलने के लिए आपको जगह कम लगेगी. वहीं स्टोर के अंदर सजावट पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है, बल्कि सामान रखने पर ध्यान दिया जाता है. कंपनी इंटीरियर पर खर्चा नहीं करती है और स्पेस को अधिक से अधिक इस्तेमाल करते हुए खूब सारा सामान रखती है.

सस्ता खरीदो, तगड़ा सप्लायर नेटवर्क- डी-मार्ट अपने सप्लायर्स से बहुत ही सस्ते दाम पर सामान खरीद पाती है. जहां आम तौर पर सामान खरीदने पर क्रेडिट का टाइम 30-45 दिन तक का होता है, वहीं डी-मार्ट में तेजी से सामान बिकता है, जिसके चलते इसका टाइम 8-10 दिन होता है. यानी सप्लायर को बेचे गए प्रोडक्ट के पैसे 10 दिन में ही मिल जाते हैं, जिसके चलते वह कुछ अतिरिक्त डिस्काउंट में प्रोडक्ट दे पाता है.

मिडिलमैन हट जाते हैं- अधिकतर वक्त ऐसा होता है कि डी-मार्ट सीधे मैन्युफैक्चरर्स से भी सामान खरीदता है, जिसके चलते उसे बहुत ज्यादा सस्ते में सामान मिल जाते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इस तरह कोई मिडिलमैन नहीं रहता. ऐसे में जो कमीशन एक मिडिलमैन को जाना होता है, वह पैसा भी डी-मार्ट को मिलता है. इस तरह डी-मार्ट को तमाम प्रोडक्ट्स की लागत बहुत ही कम आती है.

कम मार्जिन पर ज्यादा सामान बेचो- डी-मार्ट को तमाम प्रोडक्ट्स बहुत ही सस्ती दर पर मिल जाते हैं. डी-मार्ट अपने बिजनेस में सबसे अहम चीज ये करता है वह बेहद कम मार्जिन पर प्रोडक्ट बेचता है, जिससे प्रोडक्ट्स तमाम ग्राहकों के लिए भी बहुत सस्ते पड़ते हैं. सस्ते प्रोडक्ट होने की वजह से लोग ज्यादा से ज्यादा सामान खरीदते हैं और इस वजह से कम मार्जिन के बावजूद डी-मार्ट तगड़ी कमाई करता है.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.